दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-3 | अंक - 112 | sadhnaexpress@gmail.com भोपाल, रविवार, 13 अप्रैल, 2025 पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

'इसकी शुरुआत कांग्रेस ने की थी, इसमें कोई श्रेय मोदी जी को नहीं जाता', तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर बोले दिग्विजय सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी | दिसंबर 2010 में दिग्विजय सिंह ने यह दावा करके एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था कि महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के प्रमुख हेमंत करकरे ने 26/11 के हमलों के शुरू होने से कुछ ही घंटे पहले उनसे बात की थी।

26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि इसकी शुरुआत कांग्रेस ने की थी। इसमें कोई श्रेय मोदी जी को नहीं जाता है। उन्होंने आगे कहा कि तहव्वुर राणा 26/11 हमलों में शामिल था और उसका प्रत्यर्पण केवल इसलिए संभव हो सका क्योंकि यूपीए सरकार ने सही समय पर उसका नाम जांच में डाला और उसे अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया। 14 साल की कैद पूरी करने के बाद उसे भारत प्रत्यर्पित किया गया।

दिसंबर 2010 में दिग्विजय सिंह ने यह दावा करके एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था कि महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के प्रमुख हेमंत करकरे ने 26/11 के हमलों के शुरू होने से कुछ ही घंटे पहले उनसे बात की थी। सिंह ने बार-बार आरोप लगाया कि मालेगांव विस्फोट मामले के सिलसिले में हिंदू चरमपंथियों को गिरफ्तार करने के बाद करकरे को अज्ञात कॉल करने वालों से मौत की धमकियाँ मिल रही थीं।

राष्ट्रपति जी 90 दिन में कीजिए डिसाइड...सुप्रीम कोर्ट ने टाइम कर दिया फिक्स

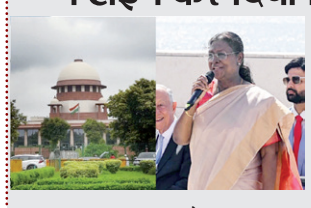

नई दिल्ली, एजेंसी | कोर्ट ने साफ कहा है कि अगर तीन महीने से ज्यादा देरी होती है तो इसके लिए ठोस कारण बताने होंगे और संबंधित राज्य को सूचित करना होगा। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि की तरफ से राष्ट्रपति के विचार के लिए रोके गए और आरक्षित किए गए 10 विधेयकों को मंजूरी देने और राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए सभी राज्यपालों के लिए समयसीमा निर्धारित की थी।

'हम गृह मंत्रालय की तरफ से निर्धारित समय-सीमा को अपनाना उचित समझते हैं... और निर्धारित करते हैं कि राष्ट्रपति को राज्यपाल की तरफ से उनके विचार के लिए आरक्षित विधेयकों पर संदर्भ प्राप्त होने की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर निर्णय लेना आवश्यक है।'

किसी भी देश के संरक्षक, कार्यपालक अध्यक्ष राष्ट्रपति पर इस तरह की टिप्पणी आए तो बात ध्यान देने योग्य होती है। खासकर तब ये टिप्पणी देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट से आई हो। पूरा मामला और ऐसी ही अन्य टिप्पणियां, पक्ष विपक्ष की दलीलें आपको बताएंगे। आप देख रहे हैं प्रभासाक्षी की अदालतों के खबरों से जुड़ा वहां की कार्यवाही, दलीलों और देश के बड़े व अहम केस की जानकारी देने वाला कार्यक्रम यस मीलार्ड।

मुख्यमंत्री ने महू में हाईटेक सुविधाओं से युक्त कामधेनु गौ-शाला का किया भूमि-पूजन

गौ-शालाओं से मध्यप्रदेश में गौ-सेवा की लिखेंगे नई इबारत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में गौ-संरक्षण और संवर्धन की दिशा में राज्य सरकार द्वारा तेजी से संकल्पबद्ध होकर कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए गौ-शालाओं के विस्तार के लिए योजनाबद्ध रूप से प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौ-शालाओं के माध्यम से गौ-सेवा की नई इबारत लिखी जाएगी और प्रदेश में नई दुग्ध क्रांति लाई जाएगी। इससे दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ ही दुग्ध उत्पादकों की आमदनी में भी वृद्धि की जाएगी। हमारा प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिले। इस

दिशा में हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर जिले के महू-मण्डलेश्वर मार्ग पर स्थित आशापुरा में प्रदेश में हाईटेक का मधे नु गौ-शाला के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस गौ-शाला में 10 हजार गायों के पालन-पोषण की व्यवस्था रहेगी। यह गौ-शाला लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाई जा रही है। इस गौ-शाला का निर्माण इंदौर नगर निगम द्वारा किया जायेगा। इसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी नगर निगम ही संभालेंगी। गौ-शाला के संचालन में संत समाज का सहयोग भी लिया जायेगा। गौ-शाला के संचालन में समाजसेवी निःस्वार्थ भाव से गौ-सेवा के कार्यों में जुड़ सकेंगे। गायों के पालन और संरक्षण के लिये सभी जरूरी सुविधाएं गौ-शाला में रहेंगी। गौ-शाला क्षेत्र में सघन पौध-रोपण भी किया जायेगा। कार्यक्रम में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, राज्यसभा सदस्य सुश्री कविता पाटीदार, विधायक सुश्री उषा ठाकुर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा, श्री निरंजन सिंह चौहान सहित जनप्रतिनिधि और स्वामी श्री अच्युतानंद जी महाराज विशेष रूप से मौजूद रहे।

दुग्ध उत्पादकों को मिलें बेहतर दाम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी वर्ग की बेहतरी के लिए राज्य सरकार द्वारा संकल्पबद्ध होकर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। कृषि क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए राज्य शासन द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। हमारी सरकार दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के भी निरंतर प्रयास कर रही है।

यह पहल देश की सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करेगी : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दिल्ली के लाल किले में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति की पहल को सराहा

» वर्तमान और भावी पीढ़ियां भारत के स्वर्णिम अतीत से होंगी परिचित

» भारतीय संस्कृति की पहचान है विक्रम संवत

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल | प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में होने वाले तीन दिवसीय 'सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य' और इससे जुड़ी प्रदर्शनियों के आयोजन की सराहना की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संदेश में कहा है कि 'मुझे खुशी है कि मध्यप्रदेश के ऊर्जावान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य की गौरवगाथा और वैभव को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।' प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कार्यक्रम के आयोजकों एवं इसमें हिस्सा ले रहे देश के कलाकारों को आयोजन की सफलता की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने संदेश में लिखा है कि युगपुरुष सम्राट विक्रमादित्य का शासनकाल जनकल्याण, सुशासन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए जाना जाता है। वह भारत की न्यायप्रिय और लोक कल्याणकारी नेतृत्व परंपरा के प्रतीक थे। उन्होंने साहित्य, कला और विज्ञान को जिस रूप में प्रोत्साहित किया, वह आज भी हमारे लिए आदर्श है। उनके काल की 'विक्रम संवत' परंपरा आज भी भारतीय संस्कृति की पहचान है। सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य और प्रदर्शनी का महत्व एक सांस्कृतिक आयोजन से कहीं अधिक है। इसका उद्देश्य हमारे इतिहास, हमारी जड़ों और हमारे आत्मबोध को एक उत्सव के रूप में मनाने का है। मुझे विश्वास है कि ऐसे आयोजनों से वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियां भारत के स्वर्णिम अतीत से परिचित होंगी और उससे प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में आगे बढ़ेंगी।

एनडीडीबी और एमपीसीडीएफ के मध्य होगा एमओयू

केन्द्रीय मंत्री शाह के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में होगा सहकारी सम्मेलन

» पैक्स व्यवसाय वृद्धि के लिये वितरित करेंगे स्वीकृति ऋण-पत्र

» किसान क्रेडिट कार्ड का भी होगा वितरण

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल | अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत होने वाले राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन में केन्द्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। रविवार 13 अप्रैल को रवीन्द्र सभागम में दोपहर 12 बजे से होने वाले इस कार्यक्रम में सांसद श्री वी.डी. शर्मा, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, पशुपालन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल विशेष अतिथि होंगे।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड अध्यक्ष श्री मीनेश शाह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, केन्द्रीय सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी, अपर मुख्य सचिव सहकारिता श्री अशोक बर्णवाल और प्रमुख सचिव पशुपालन श्री उमाकांत उमराव शामिल होंगे।

कार्यक्रम में सहकार से समृद्धि के विजन अंतर्गत श्वेत क्रांति 2.0 और मध्यप्रदेश डेयरी विकास परियोजना पर लघु फिल्म प्रदर्शन होगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड एवं मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन के मध्य अनुबंध का निष्पादन भी किया जायेगा। मध्यप्रदेश में सहकारिता तथा पैक्स के व्यवसाय विविधीकरण की दिशा में किये गये प्रयासों की लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया जायेगा।

रायगढ़ किले में बोले अमित शाह, शिवाजी महाराज महाराष्ट्र तक सीमित नहीं, उनकी एकता की विरासत देश के लिए प्रेरणा

• रायगढ़, एजेंसी

रायगढ़ | शाह के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के अलावा भाजपा नेता और शिवाजी के वंशज उदयनराजे भोसले भी थे। छत्रपति शिवाजी महाराज का अप्रैल 1680 में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण रायगढ़ किले में निधन हो गया था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मराठा योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रायगढ़ किले में जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी यह यात्रा शिवाजी महाराज की समाधि के जीर्णोद्धार के शताब्दी समारोह के अवसर पर भी हुई। शाह के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के अलावा भाजपा नेता और शिवाजी के वंशज उदयनराजे भोसले भी थे। छत्रपति शिवाजी महाराज का अप्रैल 1680 में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण रायगढ़ किले में निधन हो गया था।

शाह ने कहा कि न किस्मत उनके साथ थी, न अतीत उनके साथ था, न धन था, न सेना थी। एक बालक ने अपने अदम्य साहस और दृढ़ निश्चय से पूरे देश को स्वराज का मंत्र दिया। देखते ही देखते उसने 200 साल पुरानी मुगल हुकूमत को चकनाचूर कर दिया और देश को आजाद करा दिया। उन्होंने कहा कि आज आजादी के 75 साल बाद हम दुनिया के सामने सिर ऊंचा करके खड़े हैं। हमारा संकल्प है कि जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे, तब हमारा भारत दुनिया में नंबर 1 होगा, शिवाजी ने अपना मूल सपना रखा था।

स्कूल शिक्षा मंत्री तेजस्वी कार्यक्रम में हुए शामिल

मेहनत और ईमानदारी के साथ पढ़ाई करने पर सफलता आपके कदम चूमेगीः स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल | स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि मेहनत और ईमानदारी के साथ समर्पित भाव से पढ़ाई करने पर सफलता आपके कदम चूमेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जो संसाधन इंटरनेट, मोबाइल उपलब्ध हैं, उनका अधिक से अधिक उपयोग रचनात्मक कामों में किया जाना चाहिये। मंत्री श्री सिंह शुक्रवार को नरसिंहपुर जिले के तेंदूखेड़ा में स्कूल शिक्षा विभाग के तेजस्वी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह ने "976 आयडिया'' पुस्तक का विमोचन किया।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की बेहतरी के लिये लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सरकारी स्कूल के विद्यार्थी निजी स्कूल के विद्यार्थियों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कक्षा-5वीं और 8वीं के हाल ही में घोषित रिजल्ट ने यह साबित करके दिखाया है।

ईडी के रडार पर AJL की तीन शहरों का संपत्तियां, कब्जे के लिए नोटिस जारी

यंग इंडियन लिमिटेड (वाईआईएल) ने इस मामले में शुरुआती शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप है कि वाईआईएल ने 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर नियंत्रण पाने के लिए एजेएल की संपत्तियों को दुर्भाविनापूर्ण तरीके से अपने कब्जे में ले लिया।

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़ी संपत्तियों को कब्जे में लेने की कार्यवाही शुरू कर दी है। 11 अप्रैल को केंद्रीय जांच एजेंसी ने दिल्ली, मुंबई और लखनऊ में संपत्ति रजिस्ट्रार को नोटिस जारी किए, जहां एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्तियां स्थित हैं, जिसे यंग इंडियन द्वारा अधिग्रहित किया गया है, जो सोनिया और राहुल गांधी के स्वामित्व वाली एक कंपनी है। यह मामला एजेएल के अधिग्रहण से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं और धन के दुरुपयोग के आरोपों से जुड़ा है, जो कभी नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करता था।

यंग इंडियन लिमिटेड (वाईआईएल) ने इस मामले में शुरुआती शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप है कि वाईआईएल ने 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर नियंत्रण पाने के लिए एजेएल की संपत्तियों को दुर्भावनापूर्ण तरीके से अपने कब्जे में ले लिया। ईडी के अनुसार, यह कुर्की जांच के बाद की गई है, जिसमें एजेएल की संपत्तियों से जुड़े 988 करोड़ रुपये के अपराध की आय के कथित शोधन का पता चला है। हाल ही में एक न्यायाधिकरण द्वारा संपत्तियों की पहले की अनंतिम कुर्की की पुष्टि के बाद कार्यवाही शुरू की गई थी। ईडी ने दिल्ली, मुंबई और लखनऊ में 661 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों के साथ-साथ 90.2 करोड़ रुपये मूल्य के एजेएल शेयरों को अनंतिम रूप से कुर्क किया था। इस कुर्की की पुष्टि 10 अप्रैल को की गई थी।

मुंबई के हेराल्ड हाउस में तीन मंजिलों पर वर्तमान में रहने वाले जिंदल साउथ वेस्ट प्रोजेक्ट्स को एक अलग नोटिस जारी किया गया है। कंपनी को भविष्य के सभी किराए के भुगतान सीधे ईडी के पास जमा करने का निर्देश दिया गया है। एजेंसी का आरोप है कि कांग्रेस नेतृत्व से जुड़े एक जटिल राजनीतिक-वित्तीय गठजोड़ के जरिए संपत्ति को अवैध रूप से हासिल किया गया और उसका शोधन किया गया। ईडी की जांच, जो औपचारिक रूप से 2021 में शुरू हुई, सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा 2014 में दिल्ली की एक अदालत में दायर एक निजी आपराधिक शिकायत से उपजी है। शिकायत में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं पर यंग इंडियन के जरिए 50 लाख रुपये की मामूली राशि में एजेएल की संपत्तियों - जिनकी अनुमानित कीमत 2,000 करोड़ रुपये से अधिक है - को धोखाधड़ी से अपने कब्जे में लेने का आरोप लगाया गया है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर ममता बनर्जी का पहला रिएक्शन, बोलीं- दंगा क्यों, पश्चिम बंगाल में नहीं लागू होगा वक्फ कानून

• कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता | सीएम ममता बनर्जी ने दंगा करने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि हम दंगे भड़काने वालों के खिलाफ कानूनी

वक्फ कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल के कई जिलों में हिंसक प्रदर्शन किए गए. मुर्शिदाबाद, हुगली, 24 परगना और मालदा जिलों में पुलिस की गाड़ियों में आग लगा दी गई. ट्रेन और सड़कें ब्लॉक कर पत्थरबाजी-आगजनी की घटनाओं को अंजाम दिया गया. हिंसा की घटनाओं पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पहला रिएक्शन आया है.

सीएम ममता बनर्जी ने लोगों से अपील करते हुए कहा, ''हम इस कानून के पक्ष में नहीं हैं. पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून लागू नहीं होगा तो दंगा किस बात का?''

सीएम ने दंगा करने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि हम दंगा भड़काने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे.

'धर्म के नाम पर न करें गलत हरकत'

पश्चिम बंगाल की सीएम ने लोगों से अपील जारी करते हुए कहा, ''सभी धर्मों के लोगों से मेरी विनम्र अपील है कि कृपया शांत रहें, संयमित रहें. धर्म के नाम पर कोई भी गलत हरकत न करें. हर इंसान की जान कीमती है, राजनीति करने के लिए दंगे न भड़काएं. जो लोग दंगे भड़का रहे हैं, वे समाज को नुकसान पहुंचा रहे हैं.''

उन्होंने लोगों से कहा, ''याद रखें, जिस कानून के खिलाफ लोग भड़के हुए हैं, वह हमने नहीं बनाया. यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है, इसलिए जो जवाब आप चाहते हैं, वह केंद्र सरकार से मांगा जाना चाहिए.''

'दंगे भड़काने वालों पर लेंगे एक्शन'

ममता बनर्जी ने कहा कि हमने इस मामले में अपनी स्थिति साफ कर दी है- हम इस कानून का समर्थन नहीं करते. यह कानून हमारे राज्य में लागू नहीं होगा तो दंगा किस बात का? उन्होंने आगे कहा कि हम दंगे भड़काने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे.

संक्षिप्त समाचार

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम रतनपुर में शिविर आयोजित

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार जिले की सांची जनपद के ग्राम रतनपुर में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर स्थल पर स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, पीएचई, आधार पंजीयन, पशुपालन एवं डेयरी विकास तथा महिला बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई और आवेदन प्राप्त किए गए। शिविर में एसडीएम श्री मुकेश सिंह तथा सांची जनपद सीईओ श्रीमती बंदू सूर्यवंशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना क्रियान्वयन की प्रशंसा

विदिशा (निप्र)। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में आज प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की जिला प्रभारी कीर्ति चैहान ने बताया कि विद्यार्थियों की राशि भोजन पकाने की दिसंबर माह से बढ़कर 6.19 पैसा एवं माध्यमिक के लिए 8.17 से 9.29 हो गई है। इस वर्ष उनकी योजना में लगातार खाद्यान्न का उठाव 100 प्रतिशत रहा। जिले में इस योजना के क्रियान्वयन के लिए प्रमुख सचिव द्वारा प्रशंसा पत्र भी प्रेषित किया गया है। उन्होंने बताया कि अन्य मदो में भी 100 प्रतिशत उपलब्धि रही है। बैठक में अनुरोध किया गया कि ग्रीष्मकालीन समय में सामान्य दिवसों से विद्यार्थियों की उपस्थिति कम हो गई है। इस हेतु सभी अपने स्तर से विद्यार्थियों व अभिभावकों को प्रोत्साहित करने हेतु अधीनस्थों को निर्देशित करें क्योंकि अच्छी उपस्थिति ही इस योजना का उद्देश्य है।

कैम्पस ड्राइव में 46 युवाओं का अंतिम चयन हुआ

हरदा (निप्र)। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा में जॉन डियर देवास कम्पनी की ओपन पूल कैम्पस लिखित परीक्षा बुधवार को आयोजित की गई। प्राचार्य, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज डॉ. अभिरूचि सिंह ने बताया कि कैम्पस ड्राइव में 55 छात्रों ने भाग लिया। इनमें से 46 युवाओं का अंतिम चयन हुआ।

जिले में भिक्षावृत्ति पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध, आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 223 के तहत होगी कार्यवाही

रायसेन (निप्र)। मप्र बाल अधिकारी संरक्षण आयोग द्वारा विगत कुछ दिनों से ट्रेफिक सिग्नल, चौराहों, धार्मिक स्थलों या अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भिक्षावृत्ति की जानकारी प्राप्त होने पर जिलों को बाल एवं परिवार भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने हेतु आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए है। जिसके परिपालन में जिला दण्डाधिकारी श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्रीमती श्वेता पवार द्वारा भारतीय नागरिक सुरखा संहिता की धारा 163 में प्रदत्त अधिकारों को प्रयोग में लाते हुए रायसेन जिले की समस्त राजस्व सीमा क्षेत्र में किसी भी प्रकार की भिक्षावृत्ति को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है। जारी आदेश के तहत जिले में भिक्षुओं को भिक्षा स्वरूप कुछ भी देना या उनसे किसी भी प्रकार के सामान को खरीदना प्रतिबंधित किया गया है। जो व्यक्ति भिक्षुओं को भिक्षा स्वरूप कोई चीज प्रदान करता है या देता है या इनसे कोई सामान खरीदता है तो उसके विरूद्ध भी इस आदेश का उल्लंघन के लिए कानूनी कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163(2) के तहत तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को सहायक उपकरणों का किया वितरण

बैतूल (निप्र)। भारत सरकार की एडिप योजना के अंतर्गत बुधवार को चिन्हांकित दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन जिला दिव्यांग एवं पुनर्वास केन्द्र जिला चिकित्सालय परिसर में किया गया। इस दौरान बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बारस्कर द्वारा शिविर का शुभारंभ किया गया। सामाजिक न्याय विभाग की उप संचालक सुश्री रोशनी वर्मा ने बताया कि शिविर में विधायक श्री खंडेलवाल ने दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को 22 मोट्राइज्ड ट्रायसिकल, 27 ट्रायसिकल, 14 व्हीलचेयर, 80 श्रवण यंत्र, 26 बैसाखी, 16 वाकिंग स्टीक, 07 वॉकर के साथ ही नी ब्रेस, सिलिकॉन कुशन, टीएलएम किट, स्मार्ट फोन इत्यादि सामग्री कुल 127 सहायक उपकरणों का वितरण किया गया।

सामान्य सभा की बैठक में जनहितैषी निर्णयों का शीघ्र पालन करें

शासकीय आयोजनो में सदस्यों को ससम्मान आमंत्रित करें : जिपं अध्यक्ष

विदिशा (निप्र)। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी की अध्यक्षता में जिपं की सामान्य बैठक बुधवार को सम्पन्न हुई। जिला पंचायत के सभागार में आयोजित इस बैठक में उपाध्यक्ष श्री दरयाब सिंह कुर्मी समेत अन्य सभी सम्माननीय सदस्यगण, जिला पंचायत सीईओ के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी मौजूद रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी ने सदस्यों की आपत्तियों को संज्ञान में लेते हुए सभी विभागो के जिलाधिकारियों से कहा है कि कार्यक्षेत्रो में जो भी शासकीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है तो उस क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य को आयोजन के पूर्व ससम्मान आमंत्रित करें। इसके लिए चाहे तो संबंधित सदस्य से जीवंत अथवा मोबाइल पर सम्पर्क कर सूचित कर सकते है।

ग्यारसपुर वार्ड नम्बर पांच की जिला पंचायत सदस्य ने आपत्ति दर्ज करते हुए बताया कि शाला में पहला कदम अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमो की सूचनाएं व आमंत्रण दोनो प्राप्त नहीं होने के कारण अपने निर्वाचन क्षेत्र में सम्पन्न हुए इस प्रकार के आयोजनो में शामिल नहीं हो पाई हूं। अतः आयोजक को इस संबंध में शोकाज नोटिस जारी कर कारणो का पता लगाने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ के द्वारा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिए गए है। जिला पंचायत के सामान्य बैठक में सभी सदस्यों ने एक मत स्वर से आग्रह किया कि निजी स्कूलो में कक्षा एक से बारहवीं तक की ड्रेस एक ही प्रकार की रखी जाए ताकि ड्रेस खरीदने पर राशि वैसे पालकगण बच सकें। इसी प्रकार स्कूल शिक्षा विभाग से संबंधित सुझाव दिए गए कि सीबीएसई के माध्यम से स्कूलो में पढाई के दौरान

हर स्कूल अपनी अलग-अलग किताबे संचालित कर रहा है जिससे इस प्रकार की विभिन्नता को जिले में समाप्त किया जाए ताकि सभी विद्यार्थियों को एक सा कोर्स पढने की सहूलियत होने से बौद्धिक शैक्षणिक प्रतिभाएं विकसित होने व प्रतिस्पर्धा में मदद मिलेगी। सदस्यो के द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत की स्कूलो सहित अन्य संस्थाओं के निरीक्षण दौरान शिक्षा अथवा विद्यार्थी अनुपस्थित पाए जाते है इसमें कसावट लाने के लिए जिला स्तर पर पहल की जाए। जिला पंचायत सीईओ ने सभी सदस्यों से कहा कि भ्रमण के दौरान निरीक्षण पंजी पर जानकारियां अंकित करें ताकि संबंधितों पर कार्यवाही कराया जाना सुनिश्चित हो।

सदस्यो के सुझाव पर अमल

जिला पंचायत की सामान्य बैठक में सभी सदस्यों ने एकमत स्वर से प्रस्ताव रखा कि जिले में खनन किए जाने वाले हेण्डपंपो के स्थलो की जानकारी जिला पंचायत सदस्य को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए वहीं जिला पंचायत सदस्यों के द्वारा बतलाए गए स्थलों पर भी नवीन हेण्डपंप खनन की प्रक्रिया क्रियान्वित की जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री ने बताया कि जिले के 1528 गांव के लिए 100 नवीन हेण्डपंपो के खनन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। सदस्यों के द्वारा एक या दो नवीन स्थलो पर हेण्डपंप खनन के प्रस्ताव विधिवत रूप से प्रदाय किए जाते है तो उन स्थलों पर विभागीय लक्ष्य के माध्यम से नवीन हेण्डपंप कराने की प्रक्रिया क्रियान्वित की जाएगी। जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक की शुरूआत विगत बैठक में लिए गए निर्णयों पर संबंधित विभागो के द्वारा पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया जिसमें जिला शिक्षा केन्द्र, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा ग्रीष्मकाल में पेयजल की व्यवस्था के संचालन, ग्रामीण विकास योजना, आदिम जाति कल्याण विभाग, पिछडा वर्ग अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा जानकारियां प्रस्तुत की गई। बैठक में जिन ऐजेण्डा बिन्दुओं पर चर्चा कर निर्णय लिए गए है उनमें विभिन्न स्थाई समितियों के प्रतिवेदन, प्रतिवेदन पर चर्चा व अनुमोदन, ग्रामीण विकास की योजनाओं की प्रगति मुख्यतः स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, 15वां वित्त जिला स्तर, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, मनरेगा योजना, पंचायत भवन से संबंधित जानकारी, गौशाला से संबंधित जानकारी, कार्यालय मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकारी, जन शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की रिपोर्ट पर चर्चा की गई।

ध्यान पद्धति व्यक्ति को दिव्य ऊर्जा से जोड़कर जीवन जीने की कला सिखाती है: पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती मिश्रा

बैतूल (निप्र)। शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल में बुधवार को पुलिस महानिरीक्षक प्रशासन श्रीमती रूचि वर्धन मिश्रा द्वारा भोपाल से गूगल मीट के माध्यम से संस्था के स्टाफ एवं समस्त प्रशिक्षणार्थियों को शारीरिक, मानसिक एवं भावात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के लिए ऑनलाइन कार्यशाला में प्रेरक मार्गदर्शन दिया गया।

इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती मिश्रा द्वारा नारी सशक्तिकरण की आवश्यकता को इंगित करते हुए उपस्थित सभी छात्राओं से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ भावात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिये योग एवं ध्यान नियमित रूप से करने की प्रेरणा दी। उन्होंने

हार्टफुलनेस ध्यान विधि का परिचय देते हुए इससे मिलने वाले लाभ के लिये स्वयं का उदाहरण देते हुए बताया कि यह ध्यान पद्यति प्राचीन राजयोग पर आधारित है और व्यक्ति को दिव्य ऊर्जा से जोड़कर जीवन जीने की कला सिखाती है। इसके नियमित अभ्यास से मन के स्थिर होने के साथ-साथ भय और तनाव से मुक्ति और स्वयं को प्रसन्न रखने में मदद करती है। उन्होंने बताया कि समय का प्रबंधन सीखे, परीक्षा की सुनियोजित तैयारी से अवश्य ही सफलता प्राप्त होती है।

विविध क्षेत्रों मे महिलाएं आगे आए, अपने आप को कम न आंके और आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाए। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य श्री रेवाशंकर पंडाग्रे, वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी श्रीमती विनिता पाटील, श्री राघवेन्द्र सिंह ठाकुर, श्री विवेक दायमा, श्री रामनारायण गंगारे, श्री सचिन सरले, श्री रूपसिंह बारस्कर, श्री दुर्गेश भलावी, कु.प्रतिमा गौरे, कु.तारणी यादव, कु.ज्योति दोडके, श्री कृष्ण कुमार बोबडे, श्री सोमु मराठा एवं समस्त प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रही।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत पुनीत के कटे-फटे होंठ की हुई सफल शल्यक्रिया

बैतूल (निप्र)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्रभात पट्टन विकासखंड के ग्राम देवड़ोंगरी निवासी पुनीत पिता श्री संतोष किरोदे उम्र नौ माह के कटे-फटे होठ की सफल शल्य क्रिया की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राजेश परिहार ने बताया कि आरबीएसके प्रभात पट्टन टीम द्वारा ग्राम देवड़ोंगरी का 28 अक्टूबर 2024 को भ्रमण किया गया। आशा कार्यकर्ता श्रीमती सेवंती खाकरे द्वारा बताया गया कि श्री संतोष किरोदे के घर 15 जून 2024 को शिशु का जन्म हुआ है जिसके कटे-फटे होठ है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आरबीएसके टीम के डॉ सीएल कवड़े एवं डॉ पुष्पा अमरुते द्वारा पुनीत की तत्काल जांच की गई। पुनीत के माता-पिता को समझाया गया कि पुनीत का निःशुल्क शल्य क्रिया राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत किया जाता है। पुनीत के परिजनों ने शल्यक्रिया के लिए स्पष्ट मना कर दिया। उन्होंने यह तर्क देकर असमर्थता जताई कि पुनीत बहुत ही छोटा है हम किसी भी खतरे का सामना करने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हैं। टीम द्वारा परिजनों को ढांढस बंधाते हुए पुनः समझाइश दी गई कि खतरे की कोई बात नहीं है। आपकी मदद के लिए हम साथ चलेंगे। थोड़ी बहुत ना-नुकर के बाद लगातर समझाने के टीम के सार्थक प्रयासों से पुनीत के परिजन पुनीत के ऑपरेशन हेतु सहमत हो गये। 24 मार्च 2025 को पुनीत के परिवार से संपर्क कर 108 के माध्यम से उसे पाढर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसी दिन पुनीत की सफल शल्य क्रिया की गई। अब पुनीत पूरी तरह से स्वस्थ है।

राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में करें निराकरण : कलेक्टर श्री बालागुरू के.

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालगुरु के. की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू ने तहसीलवार तथा अनुभागवार राजस्व संबंधी कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राजस्व वसूली, आरसीएमएस, नामान्तरण, बंटवारा, सीमांकन फार्मर राजिस्ट्री की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के ने राजस्व अधिकारियों से कहा कि राजस्व विभाग के मूल कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये।

राजस्व अधिकारी अपने न्यायालयों में प्रकरणों की नियमित सुनवाई कर राजस्व संबंधी लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता पर निराकृत करायें। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को इस वित्तीय वर्ष के लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी बड़े बकायादारों को चिन्हित कर राजस्व वसूली के लिए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी बकाया की वसूली के लिए संपत्ति की कुर्की भी कर सकते हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि कही भी खेतों में नरवाई न जलाई जाए यह सुनिश्चित करें। इसके साथ ही राजस्व प्रकरणों को अभिलेखागार मे जमा करने की नई ऑनलाइन व्यवस्था, भूअभिलेख संबंधी कार्य, वक्फ संपत्तियों का सत्यापन, शासकीय भूमि का आवंटन, धारणाधिकार के प्रकरणों का निराकरण के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के अवमानना प्रकरण एवं आदेश के अनुपालन पर समय सीमा में कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही राजस्व विभाग की सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने, खुले नलकूपों से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री बालगुरु के. ने फॉर्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा के दौरान कहा कि किसानों को शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए इसके महत्व के बारे में बताया जाए। यह शासकीय योजना के लाभ प्राप्त करने, संपत्ति स्वामित्व सत्यापित करने, कानूनी विवादों से बचने, बैंक ऋण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और उत्तराधिकार मामलों में सही हस्तांतरण सुनिश्चित करने में मदद करती है।

लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा संबंधी अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु बैठक संपन्न

हरदा (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्रीमती तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में 10 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विशेष न्यायाधीश एवं नोडल अधिकारी नेशनल लोक अदालत श्री जयदीप सिंह की अध्यक्षता में मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के निराकरण के संबंध में बीमा कंपनी के अधिवक्तागण एवं अन्य अधिवक्तागण के साथ बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक में विशेष न्यायाधीश एवं नोडल अधिकारी श्री सिंह ने अधिवक्तागण के साथ निराकृत होने वाले संभावित प्रकरणों के संबंध में विचार-विमर्श किया तथा लंबित प्रकरणों में राजीनामे की संभावना की समीक्षा की गई।

स्कूल जिस बोर्ड से मान्यता प्राप्त है, उस बोर्ड के पाठ्यक्रम के अनुसार ही पुस्तकें पढ़ाई जाएं: कलेक्टर

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिले के अशासकीय विद्यालयों के संचालकों तथा प्राचार्यो और विकासखण्ड स्तरीय विभागीय अधिकारी की बैठक डाइट रायसेन में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, डीपीसी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में फीस वृद्धि, निजी प्रकाशकों की महंगी पाठ्य पुस्तकें और गणवेश सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री स्कूलों द्वारा चिन्हित प्रतिष्ठानों पर ही उपलब्ध होने सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अशासकीय विद्यालयों के संचालकों तथा प्राचार्यो से उनकी समस्याएं या कठिनाईयां जानी। कलेक्टर ने कहा कि स्कूल जिस बोर्ड से मान्यता प्राप्त है, उस बोर्ड के पाठ्यक्रम के अनुसार ही पुस्तकें पढ़ाई जाएं। निजी प्रकाशकों की महंगी पुस्तकें नहीं पढ़ाई जाएं और महंगी पुस्तकें लेने के लिए माता-पिता या

अभिभावकों पर दबाव नहीं बनाया जाए। इसके अतिरिक्त कई निजी स्कूल संचालकों द्वारा स्मार्ट क्लॉस के नाम पर अतिरिक्त फीस की वसूली किए जाने की जानकारी संज्ञान में आई है, इस पर भी तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने बच्चों के स्कूल बैग का बोझ करने के भी निर्देश दिए। इसी प्रकार बच्चों की यूनिफार्म इस प्रकार तय की जाए कि 03 साल तक उसे बदलना न पड़े। निजी स्कूल बच्चों व उनको पालकों पर पुस्तक, कापिया, यूनिफार्म किसी दुकान विशेष से ही क्रय करने के लिए दबाव न बनाएं। उन्होंने निजी स्कूलों के संचालकों तथा प्राचार्यो से कहा कि फीस जमा नहीं होने के कारण किसी बच्चे को पढ़ाई से वंचित ना किया जाए।

दीवार लेखन एवं निबंध प्रतियोगिता माध्यम से दिया जल संरक्षण का संदेश

ग्राम पंचायत आष्टा में जन सहयोग से किया सोकपिट निर्माण

बैतूल (निप्र)। बैतूल कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के तहत अनेक गतिविधियां जल संरक्षण के क्षेत्र में चलाई जा रही है। जिसके अंतर्गत चौपाल बैठकें, जल संरचनाओं का निर्माण, जन जागरूकता रैलियां, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई गहरीकरण आदि अनेक गतिविधियां लगातार की जा रही है। इसी श्रृंखला में घोड़ाडोंगरी विकासखण्ड में नवांकुर संस्था नवोदित ग्राम उत्थान महिला एवं बाल विकास समिति, देवी सोशल वर्क एवं एजुकेशन सोसाइटी घोड़ाडोंगरी द्वारा चोपना तथा घोड़ाडोंगरी सेक्टर में दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश गांव-गांव में दिया जा रहा है। ब्लॉक समन्वयक श्री सन्तोष राजपूत के मार्गदर्शन में दीवार लेखन के साथ-साथ शासकीय महाविद्यालय घोड़ाडोंगरी में युवाओं के बीच निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा जल संरक्षण के अनेक पहलू पर अपने विचार व्यक्त किया। निबंध प्रतियोगिता के अवसर पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के सभी परामर्शदाता एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। चिचोली विकासखण्ड में जल गंगा संरक्षण अभियान अंतर्गत जल के महत्व को स्कूली बच्चों तक पहुँचाने के उद्देश्य से म.प्र.जन अभियान परिषद के नवांकुर संस्था सागर ग्राम उत्थान महिला एवं बाल विकास नवांकुर संस्था चिचोली, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति जोगली के द्वारा स्कूल में गंगा संवर्धन अभियान के तहत पाटाखेडा और नसीराबाद स्कूल में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रंगोली और पोस्टर लेखन प्रतियोगिता करवाई और बच्चों ने जल संरक्षण के ऊपर अपने विचार भी रखे। उक्त प्रतियोगिता में परामर्शदाताओं की भूमिका भी रही। विकास खंड प्रभातपट्टन में म.प्र.जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम आष्टा के प्रसिद्ध अम्बा माई के मंदिर में पीने के पानी की टंकी के पास बहने वाले व्यर्थ पानी की निकासी के लिए जन अभियान की टीम ने सोख्ते गड्ढे का निर्माण कर जल संरक्षण का संदेश दिया।

पोषण पखवाड़ा के तहत रायसेन में निकाली गई जागरूकता रैली

रायसेन (निप्र)। जिले में 08 अप्रैल से 22 अप्रैल 2025 तक मनाए जा रहे पोषण पखवाड़ा के तहत बुधवार को रायसेन में महिला बाल विकास विभाग के तत्वाधान में आंगनवाड़ी कार्यकताओं, बालिकाओं तथा महिलाओं द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। इस जागरूकता रैली को नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन द्वारा जिला न्यायालय परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए महामाया चौक पर समाप्त हुई। रैली के माध्यम से नागरिकों को अपने दैनिक जीवन में पौष्टिक आहार को शामिल करने तथा जंक फूड से बचने के लिए प्रेरित किया गया। रैली में विधायक प्रतिनिधि श्री जमना सेन, महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री दीपक संकत, परियोजना अधिकारी, सुपरवाईजर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं तथा महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

जल संरक्षण के लिए जल गंगा अभियान अंतर्गत कई गतिविधियां आयोजित

भोपाल। जल संरक्षण को लेकर भोपाल जिले में चल रहा जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 लगातार जनसहयोग से मजबूत होता जा रहा है। नगर निगम भोपाल द्वारा कलिया सोत नदी की सफाई का कार्य जारी है, जिसमें विभिन्न सामाजिक संस्थाएं भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इन संस्थाओं द्वारा नदी को प्लास्टिक मुक्त

बनाए रखने के लिए लगातार श्रमदान किया जा रहा है। इसी क्रम में जन अभियान परिषद भोपाल के मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम से जुड़े छात्रों ने भी अभियान में सहभागिता दिखाई। गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नरेला शंकरी वार्ड क्रमांक-66 में श्री सुजीत धौलपुरिया, श्री संजय धौलपुरिया, श्री गौरव धौलपुरिया, श्री रोहित धौलपुरिया, श्री अमित धौलपुरिया, श्री अंश खरे एवं श्री संदीप भारती द्वारा श्रमदान कर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

वहीं, श्याम नगर वार्ड क्रमांक - 47 में स्थानीय बच्चों, स्कूल शिक्षकों, किशोर-किशोरी समूहों और नागरिकों के साथ मिलकर पोस्टर, स्लोगन और ड्राइंग जैसी रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से जल संरक्षण पर जनजागरूकता फैलाई गई। यह पहल न केवल बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बना रही है, बल्कि समाज में जल संसाधनों के संरक्षण के महत्व को भी रेखांकित कर रहें है।

रेल यात्रियों का खोया मोबाइल अब जल्द मिलेगा वापस

भोपाल। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने दूरसंचार विभाग के साथ मिलकर एक बड़ी पहल की है, जिसके तहत अब गुम हुए मोबाइल फोन की खोज और बरामदगी के लिए सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग किया जाएगा। इस कदम से लाखों यात्रियों को फायदा मिलने की उम्मीद

है। इस योजना की शुरुआत नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की गई थी, जिसमें कई खोए हुए मोबाइल सफलतापूर्वक बरामद किए गए और चोरी में लिप्त आरोपियों को पकड़ा भी गया। अब इस योजना को पूरे देश में लागू किया जा रहा है।

ऐसे करें शिकायत दर्ज- यदि कोई यात्री ट्रेन यात्रा के दौरान अपना मोबाइल फोन खो देता है, तो वह रेल मदद ऐप या 139 हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से इसकी रिपोर्ट कर सकता है। यदि एफआईआर दर्ज नहीं करानी हो, तो यात्री सीईआईआर पोर्टल पर भी सीधे शिकायत दर्ज कर सकता है।

सीईआईआर पर शिकायत दर्ज करने के बाद, आरपीएफ की जोनल साइबर सेल डिवाइस की जानकारी पोर्टल पर अपडेट कर उसे ब्लॉक कर देगी। यदि फोन में नई सिम का उपयोग किया गया हो, तो उसे ट्रैक कर वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

प्रदेश के उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग में लू का अलर्ट

भोपाल-इंदौर में भी पड़ेगी तेज गर्मी, नर्मदापुरम, रतलाम में 40 डिग्री पहुंचा तापमान

भोपाल निप्र। मध्य प्रदेश के मौसम में बारिश के बाद बदलाव देखने को मिलने लगा है। नर्मदापुरम, रतलाम में तापमान 40 डिग्री पहुंच गया है। वहीं मौसम विभाग ने अगले पांच दिन तेज गर्मी पड़ने की संभावना जताई है। गर्मी के इस सीजन में पहली बार प्रदेश में हीट वेव यानी, लू का अलर्ट है। मौसम विभाग ने 7 और 8 अप्रैल को उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग के 10 जिलों में लू चलने की संभावना जताई है। वहीं, भोपाल, इंदौर, जबलपुर-सागर संभाग में भी तेज गर्मी पड़ने का अनुमान है। यहां तापमान 2 से 5 डिग्री तक बढ़ सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम और एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस साइक्लोनिक सर्कुलेशन के रूप में एक्टिव रहा। इस वजह से कहीं-कहीं हल्की बारिश और बादल छाए रहे। यह सिस्टम आज शनिवार को कमजोर हो जाएगा। इसके बाद गर्मी का असर बढ़ेगा। जिससे तापमान में भी बढ़ोतरी होगी। अगले 3 से 4 दिन तक दिन का तापमान बढ़

सकता है। वहीं, 7-8 अप्रैल को हीट वेव यानी, गर्म हवा चलने का अनुमान है। 7 अप्रैल को नीमच, मंदसौर, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड और दतिया में लू चल सकती है। 8 अप्रैल को नीमच, मंदसौर, श्योपुर, मुरैना, ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना और अशोकनगर में हीट वेव का असर रहेगा। इससे पहले शुक्रवार को ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, सीधी, अनूपपुर, शहडोल और डिंडौरी में बादल, गरज-चमक वाला मौसम रहा।

ऐसा रहेगा तापमान

दूसरा सप्ताहः दूसरे सप्ताह में 2 से 3 दिनों तक लू परेशान कर सकती है। इस समय तापमान 41 डिग्री से 43 डिग्री तक रहने की संभावना है। बारिश के कोई आसार नहीं होने से तापमान वृद्धि हो सकती है।

तीसरा सप्ताहः उत्तर-पश्चिमी हवाओं के जोर पकड़ने के साथ दिन में अधिकतम तापमान तेजी से बढ़ते हुए समान्य से 2-4 डिग्री अधिक (42-44 डिग्री) रहेंगे। 2 से 3 दिन लू चल सकती है। हल्की बारिश होने की संभावना है। चौथा सप्ताहः- उत्तर-पश्चिमी हवाओं के लगातार जोर पकडने के साथ पूरे प्रदेश में दिन में अधिकतम तापमान और अधिक बढने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय के पुरोधा बाबू जगजीवन राम को जयंती पर किया नमन

भोपाल निप्र। दलित नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम बाबूजी की आज (शनिवार को) जयंती है। उनका जन्म 05 अप्रैल, 1908 को बिहार के शाहाबाद जिले के एक छोटे से गांव चंदवा में हुआ था। बाबू

जगजीवन राम की जयंती पर उन्हें देश याद कर रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी उन्हें याद कर नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और सामाजिक न्याय के पुरोधा, पूर्व उप प्रधानमंत्री श्रद्धेय बाबू जगजीवन राम जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करता हूँ।शोषितों और वंचितों के उत्थान हेतु आजीवन समर्पित रहकर आपने आधुनिक भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान दिया है, जो हम सभी को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

थाने में जप्त वाहनों की नीलामी से 10 लाख 2500 रु. का राजस्व प्राप्त

भोपाल निप्र। पुलिस उपायुक्त जोन 2 द्वारा गठित कमेटी जिसमें अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन 2 महावीर मुजाल्दे ,सहायक पुलिस आयुक्त एमपी नगर अक्षय चौधरी, थाना प्रभारी थाना पिपलानी अनुराग लाल व थाना प्रभारी अयोध्या नगर महेश लीलारे, प्रधान आरक्षक 229 आशीष कुमार श्रीवास थाना अयोध्या नगर के द्वारा थाना प्रांगण में खुली बोली में नीलामी की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। जोन 02 संभाग के निर्देशन में थाने में कई वर्षों से रखे 14 नग वाहन की हुई नीलामी। नीलामी के बाद कुल 10.2500.00 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। 25 पुलिस एक्ट के प्रावधानों के तहत दैनिक समाचार पत्रों में सूचना प्रकाशित की गई थी । जप्त शुदा वाहन कुल 14.नग जिनमें से मोटरसाइकिल एवं चार पहिया वाहन रखे हुए थे। तीन पहिया वाहन,पुरानी साइकिल, लोहा का सामान था शामिल। करीब 50 लोगो ने भाग ले बोली लगाई। बोली प्रक्रिया में निर्धारीत तरीके से नियम अनुसार बोली लगाई गई। नीलामी प्रक्रिया का संचालन प्रधान आरक्षक आशीष श्रीवास ने संपूर्ण नीलामी की प्रक्रिया संपन्न कराई।

रेड में पकड़ाने वाली सेक्स वर्कर्स अब नहीं कहलाएंगी आरोपी

पुलिस उन्हें अरेस्ट भी नहीं करेगी, आदेश जारी

भोपाल निप्र। मध्य प्रदेश में सेक्स वर्करों से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। यहां पुलिस मुख्यालय की ओर से महिला सेक्स वर्कर्स के लिए ऐसा कदम उठाया है, जिसने उन्हें बड़ी राहत दी है। दरअसल, अब प्रदेश में कहीं भी, ढाबों या होटलों पर संचालित वेश्यालयों से पकड़ी जाने वाली महिला सेक्स वर्कर्स को पुलिस द्वारा आरोपी नहीं बनाया जा सकेगा। पुलिस मुख्यालय की ओर से इस संबंध में सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों और भोपाल एवं इंदौर के पुलिस आयुक्तों को लिखित निर्देश जारी कर दिए गए हैं। पुलिस मुख्यालय ने कहा है कि पकड़ी जाने वाली महिला सेक्स वर्कर को ना तो गिरफ्तार किया जाएगा और ना ही परेशान किया जाएगा।

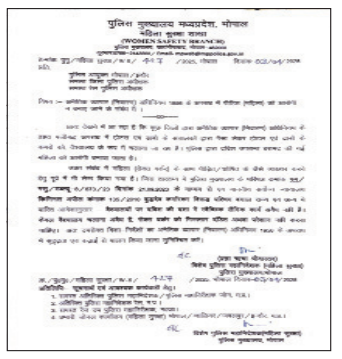

पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश, भोपाल
महिला सुरक्षा शाखा
(WOMEN SAFETY BRANCH)

एमपी के बड़े अफसर का निकला वारंट, हाईकोर्ट ने तलब किया: जारी निर्देश के अनुसार, ऐसे मामलों में अकसर देखा जाता है कि पुलिस जब होटल-ढाबों पर दबिश देती है तो कार्रवाई के दौरान पकड़ी जाने वाली महिला सेक्स वर्कर्स को भी आरोपी बनाती है। जबकि, ऐसी महिलाएं कई बार पहले से ही शोषित होती हैं। इसी को मद्देनजर रखते हुए स्पेशल डीजी महिला सुरक्षा प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि, पुलिस को इन महिलाओं को दोषी ठहराने के बजाए पीड़ित और शोषित व्यक्तियों जैसा व्यवहार करना होगा।

'संवेदनशीलता और सहानुभूति से पेश आना होगा': इस दिशा में पुलिस अधिकारियों को कठोर अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी महिला सेक्स वर्कर के अधिकारों का उल्लंघन न किया जा सके। साथ ही, पुलिस को ये भी ध्यान रखना होगा कि, महिला सेक्स वर्कर के साथ संवेदनशीलता और सहानुभूति से पेश आएं। इस फैसले के साथ राज्य पुलिस अब उन महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और सहानुभूतिपूर्ण वातावरण बनाने का काम करेगी, जो अबतक कानून के शिकंजे में फंस जाती थीं।

'विश्वरंग फाउण्डेशन' की पहल पर पोडियम टीम के युवा फिल्मकारों ने संजोयी लोक विरासत

भोपाल। लोक संस्कृति और परंपरा के बहुरंगी पर्व गणगौर पर केन्द्रित लघु फिल्म 'गणगौर गाथा' इन दिनों आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। विश्वरंग फाउण्डेशन के लिए इस अनूठे चलचित्र का निर्माण युवा फिल्मकार आदित्य उपाध्याय के निर्देशन में 'द पोडियम' टीम ने किया है। 'गणगौर गाथा' की विशेष स्क्रिनिंग 13 अप्रैल को शाम 5:30 बजे तुलसी नगर स्थित नर्मदा सभागार में की जाएगी। पोडियम टीम, युवा सिनेकर्मियों तथा कलाकारों का रचनात्मक समूह है जो सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सरोकारों के उद्देश्यपूर्ण फिल्मांकन के लिए सक्रिय है। गत वर्ष इस टीम ने 'गणगौर पर्व' के अवसर पर मध्यप्रदेश के पूर्व और पश्चिम निमाड़ के गाँव-देहातों की सांस्कृतिक यात्रा की। इस दौरान इस पर्व से जुड़े अनुष्ठान, तथा पारंपरिक नृत्य-संगीत और अन्य संलग्न गतिविधियों का वास्तविक फिल्मांकन किया। संस्कृतिकर्मी-साहित्यकार संतोष चौबे के मुख्य मार्गदर्शन में निर्मित इस फिल्म की परिकल्पना और शोध आलेख के साथ ही वाचक स्वर संस्कृतिकर्मी-कला समीक्षक विनय उपाध्याय का है। इस फ़िल्म का वीडियो संपादन निखिल कुमार

अरमान आर्य सिन्हा तथा अभिषेक कनौजिया ने किया है। छायांकन अनिरूद्ध चौथमल, आशीर्वाद मंडल और हेमांग कुरील का है। ध्वन्यांकन तनिष्क भूरिया ने किया है जबकि कोरियोग्राफ़ी लोक नर्तक संजय महाजन की है।

यह फ़िल्म बताती है कि एक सिरे पर आध्यात्म के गहरे रंग, अनुष्ठान की पवित्रता, पूजा-प्रार्थना और निवेदन तो दूसरे सिरे पर लोकरंजन में आकंठ डूबा तन-मन एक आदिम सुख की इच्छा से भरकर गणगौर में थिरकने लगता है। दूसरे सिरे पर रनुबाई यानी निमाड़ की स्त्री को ही अधिष्ठात्री देवी मानकर उसका गुणगान किया जाता है। गीत की कड़ियों और लय की लड़ियों में लहराते संगीत तो यहाँ दूर देश को ब्याही रनुबाई की अपनी सखियों के संग ठिठोली है, तो प्रेम, ममत्व, करूणा, वात्सल्य और वियोग भी है।

यह फ़िल्म लोकपर्व के उन महत्वपूर्ण पक्षों को भी सामने लाती है जहाँ धर्म, संस्कृति, विज्ञान और अध्यात्म मिलकर मनुष्यता का उत्सवी रूपक बन जाते हैं। यह जीवंतता हमें ऐतिहासिक अनुभव की ओर ले जाती है। जीवन, प्रकृति और संस्कृति को हम एक ही डोर में बंधा पाते हैं। गीत, संगीत और नृत्य की रेशमी झालरों से सजा जीवन का रंगमहल यहाँ अलग ही चहक-महक से भरा है।

चैत्र महीने के दसवें दिन से आगामी नौ दिनों तक मध्यप्रदेश के निमाड़ की धरती गणगौर की धन्यता को गाने मचल उठती है। इन गीतों में स्मृतियों की दुनिया खुलती है। स्त्री की सृजन शक्ति, उसकी अभिलाषाएँ, उसके सरोकार, उसकी नियति और दैवीय महिमा के दिव्य स्वरूपों को जीवन्त होता देखा जा सकता है। इन गीतों की गुंजार बिखरती है तो देह अनायास ही थिरक उठती है।

आदित्य उपाध्याय फ़िल्म प्रॉडक्शन में स्नातकोत्तर हैं। उनकी शॉर्ट फ़िल्म 'लेटर बॉक्स' का चयन चित्र भारती अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव के लिए हुआ है। उन्होंने महेश्वर और मांडू के पुरातात्विक वैभव, साहित्य तथा कलाओं के अंतरराष्ट्रीय महोत्सव 'विश्वरंग' और रबीन्द्रनाथ टैगोर के कृती-व्यक्तित्व पर एकाग्र लघु फ़िल्मों का निर्माण स्वयं के निर्देशन में किया है।

आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 – भोपाल के अधिकारी एवं कर्मचारियों का हुआ प्रशिक्षण

भोपाल निप्र। आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के 552 अधिकारियों कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। विभिन्न बैचेस में यह प्रशिक्षण कलेक्टर कार्यालय, जिला पंचायत और पीपल्स मेडिकल कॉलेज में दिया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की संस्थाओं के साथ ही अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, हमीदिया हॉस्पिटल, सुल्तानिया हॉस्पिटल, गैस राहत चिकित्सालय के चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ शामिल हुए। इस दौरान 85 चिकित्सक, 217 ए एन एम, 64 कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर, 72 नर्सिंग ऑफिसर, 24 सुपरवाइजर, 90 मल्टी टास्क वर्कर को नवीन अनमोल मोबाइल एप्लिकेशन एवं वेबपोर्टल के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। इस पोर्टल का नवीन संस्करण लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा विकसित किया गया है।

श्री राम सेवा समिति मुखर्जी नगर कोलार अध्यक्ष संदीप सिंह के द्वारा

अयोध्या के राजा श्रीराम की भव्य रथ यात्रा: भोपाल को मिलेगा आध्यात्मिक आनंद

भोपाल निप्र। अयोध्या के राजा, मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की महिमा का गुणगान करने के लिए भोपाल नगर में 6 अप्रैल 2025 को एक भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा धार्मिक उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण होगी, जिसमें भक्तों के लिए प्रभु श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की अलौकिक झांकियां देखने का अवसर मिलेगा। यात्रा का आयोजन सिगनेचर रेजिडेंसी, नजदीक छ्व्य अस्पताल, कोलार में शाम 5ऱ्30 बजे से शुरू होगा।

इस बार की रथ यात्रा में भव्य झांकियां और अद्वितीय कार्यक्रम शामिल हैं। रामलला जी का रथ, गगनभेदी नगाड़े और ढोल-ताशे की धुन, बाबा बटेश्वर भक्त मंडल भोपाल द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। कार्यक्रम में विशेष रूप से सीता स्वयंवर, भारत मिलाप, और लंका दहन जैसे ऐतिहासिक दृश्यों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, मंदाकिनी चौराहे पर 15 फीट के रावण का दहन, तथा

महाकाल जी की झांकी भक्तों को मंत्रमुग्ध करेगी।

इस यात्रा के आयोजक, राम सेवा समिति के अध्यक्ष श्री संदीप सिंह ने कहा, ÷यह रथ यात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह हम सबके लिए एक संदेश है। जब-जब धर्म पर संकट आया, प्रभु श्रीराम ने यह सिखाया कि सत्य और धर्म की राह कभी नहीं छोड़नी चाहिए। हम चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस यात्रा का हिस्सा बनें और प्रभु श्रीराम के रंग में रंग जाएं। यात्रा की भव्यता को देखते हुए, आयोजकों ने प्रसिद्ध पुष्पा 2 इंदौर और नटराज डीजे (भोपाल) के साथ मिलकर एक शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति का भी आयोजन किया है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध आतिशबाजी और राजस्थान की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां इस यात्रा को और भी आकर्षक बनाएंगी। इस भव्य रथ यात्रा के माध्यम से, आयोजकों का उद्देश्य न केवल आध्यात्मिक जागरूकता फैलाना है, बल्कि समाज में एकता और समर्पण को भी बढ़ावा देना है। और हम सभी को इस यात्रा में भाग लेने की प्रेरणा लेनी चाहिए। यह समय है एकजुट होकर अपने विश्वास और परंपराओं का पालन करने का।

आयोजन समिति सदस्य

हनी विश्कर्मा, अक्षय अग्रवाल ,मनीष भदौरिया ,अवनीश शुक्ला ,करन मुद्रा ,रवि शुक्ला ,राज विश्कर्मा,आयुष कुशवाहा , पार्थ रावत ..कार्यक्रम मे संजय मिश्रा (वनवाशी राम की भूमिका मे रहेंगे) अंकित मिश्रा (राजा स्वरुप राम की भूमिका मे रहेंगे ।

श्री चित्रगुप्त सम्मान कार्यक्रमो से कायस्थ परिवारो को बनाया जा रहा है माँसाहार, नशा.मुक्त

कायस्थ बंधु समिति घर घर जाकर दिला रही है संकल्प

भोपाल निप्र। कायस्थ समाज मे माँसाहार खान-पान का प्रचलन तेजी से बढ रहा है।इसके साथ साथ परिवारो मे नशा करने की प्रवर्ति भी पनप रही है।इसे रोकने के लिए हर साल नवरात्रि पर कायस्थ बंधु समिति घर घर जाकर चित्रगुप्त सम्मान के जरिए परिवारो को संकल्प दिला रही है ।माँसाहार,नशा.मुक्त अभियान चला कर परिवारो को शाकाहार बनाया जा रहा है।कायस्थ समाज मे विगत लम्बे समय से चित्रगुप्त सम्मान के जरिए सामाजिक जन जाग्रति की जा रही है।बीते कुछ दिनो से चैत्र नवरात्रि पर कायस्थ बंधु समिति भोपाल कायस्थ परिवारो मे जाकर अण्डे ,माँस न लेने के साथ साथ नशीले पदार्थो से दूर रहने का संकल्प दिला रही है।अभी तक भोपाल से दो सौ से अधिक परिवार माँसाहार नशा.मुक्त अभियान मे शामिल हो चुके है।

इसी उद्देश्य को लेकर शुक्रवार को रायसेन रोड प्रेस कालोनी मे श्रीमति गीता प्रयास श्रीवास्तव को परिवार सहित को माँसाहार,नशा.मुक्त अभियान मे शामिल होने पर कायस्थ बंधु समिति के अध्यक्ष गिरीश.श्रीवास्तव ने पीले गमछे पहनाकर सम्मान मे भगवान श्री.चित्रगुप्त जी की तस्वीर भेट कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया है।इस शुभ अवसर पर परिवार के वरिष्ठ सदस्यो ने भविष्य मे अण्डे माँस न लेने के साथ साथ अपने बेटे का विवाह बिन दहेज मांग करने का संकल्प भी लिया है।समिति के गिरीश.श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ समाज पर माँसाहार खान-पान के लगे कलंक से मुक्त करने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है।माँसाहार से न केवल शारीरिक नुकसान होता है बल्कि परिवारिक व्यवहारिक रिश्तो मे भी नकारात्मकता आ रही है।कायस्थ समाज शाकाहार बने इसी आशय के साथ माँसाहार मुक्त महाअभियान भोपाल सहित अन्य नगरो महानगरो मे लगातार चलाए जा रहे है।

|| संपादकीय ||

वर्तमान वैश्विक पटल पर भारत के लिए आपदा में अवसर हैं

अमेरिका ने अन्य देशों से अमेरिका में होने वाली आयातित उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर विश्व के लगभग समस्त देशों के विरुद्ध एक तरह से व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। इससे यह आभास हो रहा है आगे आने वाले समय में विभिन्न देशों के बीच सापेक्ष युद्ध न होकर व्यापार युद्ध होने लगेगा। चीन से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर तो अमेरिका ने 145 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। एक तरह से अमेरिका की ओर से चीन को यह खुली चुनौती है कि अब अपने उत्पादों को अमेरिका में निर्यात कर के बताए। 145 प्रतिशत के आयात कर पर कौन सा देश अमेरिका को अपने उत्पादों का निर्यात कर पाएगा, यह लगभग असम्भव है। इससे चीन की अर्थव्यवस्था छिन्न भिन्न हो सकती है, यदि चीन, अमेरिका के स्थान पर विश्व के अन्य देशों को अपने उत्पादों का निर्यात नहीं बढ़ा पाया। बगैर प्रत्यक्ष युद्ध किए, अमेरिका ने चीन पर एक तरह से विजय ही प्राप्त कर ली है और चीन की अर्थव्यवस्था को भारी नुक्सान करने के रास्ते खोल दिए हैं, हालांकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। परंतु, ट्रम्प प्रशासन ने विश्व के 75 देशों पर लागू किए गए टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर अन्यथा होने वाले विपरीत प्रभाव को बहुत बड़ी हद तक कम कर लिए गया है। अमेरिका संभवत चाहता है कि आर्थिक मोर्चे पर चीन पर इतना दबाव बढ़ाया जाए कि चीन की जनता चीन के वर्तमान सत्ताधारियों के विरुद्ध उठ खड़ी हो और चीन एक तरह से टूट जाए। अमेरिका ने लगभग इसी प्रकार का दबाव बनाकर सोवियत रूस को भी तोड़ दिया था।

कुल मिलाकर पूरे विश्व में विभिन्न देशों के बीच अब नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। यूरोपीयन यूनियन के समस्त सदस्य देश आपस में मिलकर अब अपनी सुरक्षा स्वयं करना चाहते हैं। अभी तक ये देश अमेरिका के सख्त देश होने के चलते अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहते थे। परंतु, वैश्विक स्तर पर बदली हुई परिस्थितियों के बीच इन देशों का अमेरिका पर विश्वास कम हुआ है एवं यह देश आपस में मिलकर अपनी स्वयं की सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। आगे आने वाले समय में यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश अपने सुरक्षा बजट में भारी भरकम वृद्धि कर सकते हैं। यहां, भारत के लिए अवसर निर्मित हो सकते हैं क्योंकि भारत में हाल ही के समय में सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादों की नई एवं भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता निर्मित हुई है। भारत आज सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से न केवल आत्म निर्भर हो रहा है बल्कि भारी मात्रा में उत्पादों का निर्यात भी करने लगा है। आज सिंगापुर जैसे विकसित देश भी भारत से सुरक्षा उत्पाद खरीदने हेतु करार करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यदि यूरोपीयन देशों के साथ भारत की पटरी ठीक बैठ जाती है तो सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं मौजूद है। भारत, यूरोपीयन देशों के साथ सामूहिक तौर पर द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के प्रयास भी कर रहा है।

इसी प्रकार, आगे आने वाले समय में यदि चीन के निर्यात अमेरिका को कम होते हैं तो चीन से विनिर्माण इकाईयों का पलायन तेजी से प्रारम्भ होगा। संभवत इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र, टेक्स्टायल क्षेत्र, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, प्रेशस मेटल के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही है, क्योंकि, उक्त समस्त क्षेत्रों से चीन, अमेरिका को भारी मात्रा में निर्यात करता है। अब 145 प्रतिशत के टैरिफ की दर पर चीन में निर्मित उत्पाद अमेरिका में नहीं बिक पाएंगे। अत: भारत के लिए इन समस्त क्षेत्रों में अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही हैं। टेक्स्टायल के क्षेत्र में तो वर्तमान में भारत के पास बहुत भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता भी उपलब्ध है। टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत के पड़ौसी देश ही अधिक प्रतिस्पर्धी बने हुए हैं, जैसे बंगलादेश, पाकिस्तान, चीन, वियतनाम आदि। इस समस्त देशों पर अमेरिका द्वारा लगाई गई टैरिफ की दर, भारत की तुलना में कहीं अधिक है। अत: टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत में निर्मित विभिन्न उत्पाद तुलनात्मक रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। इसका सीधा सीधा लाभ भारतीय टेक्स्टायल उद्योग द्वारा उठाया जा सकता है। इसी प्रकार, मोबाइल फोन का उत्पादन करने वाली विश्व की सबसे बड़ी कम्पनियों में से सैमसंग एवं ऐपल नामक कम्पनियां भारत में अपनी उत्पादन क्षमता में भारी भरकम वृद्धि करने के बारे में विचार कर रही हैं। वर्ष 2024 में भारत से 2040 करोड़ अमेरिकी डॉलर के मोबाइल फोन का निर्यात विभिन्न देशों को हुआ हैं, यह वर्ष 2023 में हुए निर्यात की राशि से 44 प्रतिशत अधिक है। और, मोबाइल फोन के निर्यात में हुई इस भारी भरकम वृद्धि में ऐपल एवं सैमसंग कम्पनियों का योगदान सबसे अधिक रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई उत्पादन प्रोत्साहन योजना का लाभ भी भारत में मोबाइल निर्माता कम्पनियों ने भारी मात्रा में उठाया है। भारत आज स्मार्ट मोबाइल के उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यदि वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां इसी प्रकार बनी रहती हैं तो शीघ्र ही भारत मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा।

आज जापान, इजराईल, ताईवान, रूस, जर्मनी, फ्रान्स, आस्ट्रेलिया आदि विकसित देश श्रमबल की कमी से जूझ रहे हैं। कई विकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि दर लगभग शून्य के स्तर पर आ गई है। बल्कि, कुछ देशों में तो जनसंख्या में कमी होती हुई दिखाई दे रही है। दूसरे, इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है और इन प्रौढ़ नागरिकों की देखभाल के लिए भी युवा नागरिकों की आवश्यकता है। अब कुछ देशों जैसे जापान, इजराईल, ताईवान आदि ने भारत सरकार से भारतीय नागरिकों के इन देशों में बसाने के बारे में विचार करने को कहा है। इजराईल सरकार ने लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग भारत सरकार से की है, जापान सरकार ने भी लगभग 2 लाख भारतीयों की मांग की है एवं ताईवान सरकार ने भी लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग की है। भारत आज विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे युवा देश है। अत: भारत आज इस स्थिति में है कि अपने नागरिकों को इन देशों में बसाने के लिए भेज सके। वैसे भी विश्व के कई देशों में आज लगभग 4 करोड़ भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं इन देशों की अर्थव्यवथा में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। भारतीय नागरिक वैसे भी हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हैं एवं इन देशों में शांतिपूर्ण तरीके से जीवन यापन करते हैं। इतिहास गवाह है कि भारत ने कभी भी किसी भी देश पर अपनी ओर से आक्रमण नहीं किया है। भारतीय नागरिक "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना में विश्वास रखते हैं अत: किसी भी देश में वहां के स्थानीय नागरिकों के साथ तुरंत घुलमिल जाते हैं। अत: भारत के लिए विभिन्न देशों को श्रमबल उपलब्ध कराने के क्षेत्र में भी अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही है।

कुल मिलाकर भारत सरकार ने भी विभिन्न देशों के साथ अपने द्विपक्षीय व्यापार समझौतों को शीघ्रता के साथ अंतिम रूप देना प्रारम्भ कर दिया है क्योंकि आगे आने वाले समय में विश्व व्यापार संगठन की उपयोगिता लगभग समाप्त हो जाएगी और आगे आने वाले समय में विदेशी व्यापार के क्षेत्र में दो देशों के बीच आपस में किए गए द्विपक्षीय व्यापार समझौते ही अपनी विशेष भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। अत: भारत सरकार को इन देशों से होने वाले द्विपक्षीय समझौतों में भारत के हितों की रक्षा करने पर विशेष ध्यान देना होगा। बहुत सम्भव है कि भारत का अमेरिका के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौता आगामी 6 माह के अंदर सम्पन्न हो जाए और फिर भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए एक नया रास्ता खुल जाए।

• प्रहलाद सबनानी (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बैसाखी पर्व 13 अप्रैल 2025 खुशहाली व समृद्धि का प्रतीक - खालसा पंथ की स्थापना व नई फ़सल कटाई का प्रतीक

बैसाखी के दिन का उत्सव कृषि, समाज व धर्म के संगम का प्रतीक है

> भारत में बैसाखी पर्व मनाए जाने की करें तो, बैसाखी के पर्व को वैसाखी के नाम से भी जाना जाता है।बैसाखी का त्योहार पूरे हर्षोल्लास के साथ करीब करीब पूरे भारत में मनाया जाता है। हर साल बैसाखी 13 या 14 अप्रैल को ही मनाया जाता है, हर वर्ष बैसाखी के दिन सूर्य मेष राशि में करते हैं। बैसाखी के त्योहार से पंजाब और हरियाणा के क्षेत्रों में फसलों की कटाई शुरू हो जाती है। बैसाखी के पर्व को वैसाखी के नाम से भी जाना जाता है, और इस साल यह पर्व 13 अप्रैल को ही मनाया जा रहा है।

वैश्विक स्तरपर भारत सर्वधर्म समभाव का सटीक प्रतीक माना जाता है, क्योंकि यहां हर धर्म के त्योहारों का आनंद सब मिलकर लेते हैं, जो विदेशी सैलानी भी लेने आते हैं, व पूर्ण रूप से प्रभावित व संतुष्ट होकर जाते हैं। अभी हमने कुछ दोनों पूर्व ही महाकुंभ उत्सव चेट्रीचंड्र, ईद, रामनवमी का उत्साह देखे हैं जो अलग-अलग जाति धर्म समाजों के त्यौहार है, परंतु हमने देखे कि इन्हें सभी ने मिलकर मनाया, जो हमारी सामाजिक और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है, इसी कड़ी में 13 अप्रैल 2025 को एक और अध्याय जुड़ गया है, क्योंकि इसदिन पूरा भारत विशेष रूप से पंजाब हरियाणा उत्तरप्रदेश उत्तराखंड हिमाचल प्रदेश जम्मू कश्मीर सहित अनेको राज्यों में मनाया जा रहाहै।हमारी राईसिटी गोंदिया में भी बड़े धूमधाम से,बैसाखी पर्व कोमनाया जाता है, इस दिन मैं स्वयं भी गुरुद्वारे जाकर दर्शन लाभ उठाता हूं, अमृत वेले प्रभातीवेले से ही प्रभात फेरी सहित अनेकों कार्यक्रम शुरू हो जाते हैं, जहां भक्तों के भाव देखकर मैं भी भावभोर हो जाता हूं। हालांकि यह विशेष रूप से सिख समाज व किसानों के ही त्यौहार है, परंतु इसे मनाता सारा मानव समाज है। चूँकि बैसाखी उत्सव, समाज और धर्म के संगम का प्रतीक है, इसलिए आज हम मीडिया उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, बैसाखी पर्व 13 अप्रैल 2025, खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है, खालसा पंथ की स्थापना व नई फसल कटाई की शुरुआत का प्रतीक है तथा बैसाखी के दिन गुरुद्वारोंमें विशेषपूजाअर्चना,अरदास,भजनकीर्तन व प्रभात फेरी कणाह प्रसाद है का अत्यधिक विशेष महत्व है।

साथियों बात अगर हम भारत में बैसाखी पर्व मनाए जाने की करें तो, बैसाखी के पर्व को वैसाखी के नाम से भी जाना जाता है।बैसाखी का त्योहार पूरे हर्षोल्लास के साथ करीब करीब पूरे भारत में मनाया जाता है। हर साल बैसाखी 13 या 14 अप्रैल को ही मनाया जाता है, हर वर्ष बैसाखी के दिन सूर्य मेष राशि में करते हैं। बैसाखी के त्योहार से पंजाब और हरियाणा के क्षेत्रों में फसलों की कटाई शुरू हो जाती है। बैसाखी के पर्व को वैसाखी के नाम से भी जाना जाता है, और इस साल यह पर्व 13 अप्रैल को ही मनाया जा रहा है। बैसाखी के दिन गुरुद्वारों को सजाया जाता है। सिख समुदाय के लोग गुरुवाणी सुनते हैं,घरों में भी लोग इस दिन विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। खीर, शरबत आदि पकवान बनाए जाते हैं,

इस दिन शाम के समय घर के बाहर लकड़ियां जलाई जाती हैं, जलती हुई लकड़ियों का घेरा बनाकर गिद्दा और भांगड़ा कर अपनी प्रसन्नता जाहिर करते हैं। लोग गले लगकर एक दूसरे को बैसाखी की शुभकामनाएं देते हैं।बता दें बैसाखी के समय आकाश में विशाखा नक्षत्र होता है विशाखा नक्षत्र पूर्णिमा में होने के कारण इस माह को बैसाख कहते हैं, वैशाख माह के पहले दिन को बैसाखी कहा गया है। इस दिन सूर्य मेष राशि में गोचर करते हैं जिस कारण इसे मेष संक्रांति के नाम से भी जाना जाता है। बैसाखी को पोइला, बौइशाख, विशु, और बीहू जैसे नामों से भी जाना जाता है। बैसाखी सिखों का महत्वपूर्ण त्योहार है।1699 में इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। मान्यतानुसार इस पंथ की स्थापना का लक्ष्य धर्म और नेकी के रास्ते पर चलना और उसका पालन करना था। किसान अपनी फसल काटने की खुशी में यह त्योहार मनाते हैं तो वहीं पंजाब में इस दिन गिद्दा-भांगड़ा किया जाता है, इस दिन को सिक्खों के नए साल के रूप में भी मनाया जाता। इस दिन नगर कीर्तन निकाले जाते हैं और समाज में भाईचारे का संदेश दिया जाता है। इसके अलावा, लोग इस दिन नई फसल के आगमन की खुशी में एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं और पारंपरिक गीत गाते हैं।

साथियों बात अगर हम बैसाखी उत्सव पर्व के महत्व की करें तो, बैसाखी का पर्व सिख धर्म में विशेष धार्मिक महत्व रखता है। यह दिन सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना का प्रतीक है। गुरु जी ने इस दिन सभी जातिगत भेदभावों को समाप्त कर दिया था और एकता का संदेश दिया था। यह पर्व सिखों के लिए एक नया अध्याय, एक नई शुरुआत और धार्मिक सिद्धांतों के पालन का दिन है। गुरु गोबिंद सिंह जी के नेतृत्व में खालसा पंथ की स्थापना ने समाज को एकजुट करने के लिए एक मजबूत कदम उठाया था। बैसाखी पर सिख धर्मावलंबी गुरुद्वारों में विशेष पूजा और अरदास करते हैं। इस दिन विशेष रूप से गुरुद्वारों में भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाता है और नगर कीर्तन की परंपरा निभाई जाती है। लोग इस दिन को अपने पवित्र कर्तव्यों को याद करने, गुरु के बताए मार्ग पर चलने और धर्म के प्रति अपनी आस्था को और गहरा करने का अवसर मानते हैं। बैसाखी का पर्व सिख धर्म के लिए एक समय होता है जब वे अपने गुरु की शिक्षा औरखालसा पंथ के महत्व को मानते हुए एकजुट होते हैं और समाज में शांति, भाईचारे और समानता का प्रचार करते हैं।बैसाखी का पर्व भारतीय समाज में एक सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मनाया जाता है।यह पर्व विशेष रूप से कृषि प्रधानसमाज के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि बैसाखी के दिन नई फसल की कटाई होती है। किसानों के लिए यह दिन खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक होता है,क्योंकि उन्हें अपनीमेहनत का फल मिल रहा होता है। खासकर पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश शहर अनेक प्रदेशों में यह पर्व बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन को किसान अपनी नई फसल की खुशहाली के रूप में मनाते हैं, और पारंपरिक तरीके से खेतों में काम करते हुए ढेर सारी खुशियां मनाते हैं। समाज के लोग एक साथ मिलकर नृत्य, संगीत और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। पंजाब में 'भांगड़ा' और 'गिद्दा' जैसे पारंपरिक नृत्य होते हैं, जो न केवल आनंद का स्रोत होते हैं, बल्कि एकता और भाईचारे को भी बढ़ावा देते हैं। यह दिन अपने आप में खुशी और एकजुटता का प्रतीक होता है,जब लोग एक- दूसरे के साथ मिलकर खुशी बांटते हैं और जीवन के नए चक्र की शुरुआत का स्वागत करते हैं। सिख समुदाय के लोगों के बीच बैसाखी का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। वे इस त्योहार को बेहद खुशी और आनंद के साथ मनाते हैं। यह त्योहार पंजाबी नए साल की शुरुआत का प्रतीक है, बैसाखी के पर्व को पारंपरिक रीति- रिवाजों के साथ मनाया जाता है. बैसाखी फसल, नई शुरुआत और सिख समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है. इस महीने में रबी की फसल पककर पूरी तरह से तैयार हो जाती है और उनकी कटाई भी शुरू हो जाती है, इसीलिए बैसाखी को फसल पकने और सिख धर्म की स्थापना के रूप में मनाया जाता है।

साथियों बात अगर हम बैसाखी के इतिहास की करें तो, बैसाखी का इतिहास 30 मार्च, 1699 को सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने सिख समुदाय के सदस्यों से गुरु और भगवान के लिए खुद को बलिदान करने के लिए आगे आने के लिए कहा था, आगे आने वालों को पंज प्यारे कहा जाता था, जिसका अर्थ था गुरु के पांच प्रियजन,बाद में, बैसाखी के दिन महाराजा रणजीत सिंह को सिख साम्राज्य का प्रभार सौंप दिया गया। महाराजा रणजीत सिंह ने तब एक एकीकृत राज्य की स्थापना की, इसी के चलते ये दिन बैसाखी के तौर पर मनाया जाने लगा।बैसाखी स्पेशल कणाह प्रसाद-भारत में कोई भी त्योहार बिना मीठे के नहीं मनाया जाता है। पंजाबी बैसाखी पर (गुड़, आटे का हलवा) यानि कणाह प्रसाद खासतौर पर तैयार करते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बैसाखी पर्व 13 अप्रैल 2025 खुशहाली व समृद्धि का प्रतीक - खालसा पंथ की स्थापना व नई फ़सल कटाई का प्रतीक ल।बैसाखी के दिन का उत्सव कृषि, समाज व धर्म के संगम का प्रतीक है।बैसाखी के दिन गुरुद्वारों में विशेष पूजा, अरदास, भजन कीर्तन व प्रभातफेरी कणाह प्रसाद का विशेष महत्व है।

• लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र (उपरोक्त दिए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं)

गली में आवारा गाय

एक ही बैल ने कई कहानियां कह दीं, लेकिन तुम हो कि खबर नहीं। गोवंश के नाम पर जिनका खून खौलता, वे हकीकत में देखें कि रात के सन्नाटों में आवारा पशुओं के कारण किसान का दिल कितना डूबता है। हमारा खेत अगर सभी पशुओं को चारा नहीं दे सकता, तो कृषि नीति को कोसें या सस्ते राशन पे उजड़ते खेत को देखें। कभी पशुधन होता था, आज सडक़ पर खड़ा वह अपराधी है। होंगे अपराधी जो पांवटा साहिब की शांति में गोवंश के अवशेष यमुना किनारे छोडक़र माहौल खराब कर गए, लेकिन किसान के खेत को आवारा पशु चट करते हैं, तो उसका पेट कटता है। विडंबना यह कि हिमाचल में नलवाड़ मेले पालतू पशुओं या गोवंश की याद में चल रहे हैं, लेकिन शुभारंभ के खूंटों पर माहौल उदास है। अब नहीं आती बैलों की जोड़ी वहां, लेकिन सुंदरनगर, बिलासपुर या किसी अन्य शहर के हर चौक पर आवारा पशु अब एक खौफनाक समुदाय है। गोवंश का आवारा होना हमारी योजनाओं का अंधापन है या वाकई इसका अब ग्रामीण समाज से कोई रिश्ता नहीं। वहां खेत में सबसिडी में टिल्लर आता है और किराए की मजदूरी में पूरी तरह जोत जाता है। ढूंढना अब हल कल के मुजारे के पास, क्योंकि लैंड सीलिंग एक्ट ने समाज से खेती और खेती की जरूरत छीन ली। आखिर राशन डिपो का सामान हिमाचल में तो नहीं उगता। यह दीगर है कि हिमाचल में दूध की मांग और दूध के उपभोक्ता बढ़ गए, लेकिन यह अब आयातित सामान है, रोज सुबह बाहर से आता है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री रहे शांता कुमार गोवंश के संरक्षण की आवाज उठाते हैं।

बेशक गऊ को माता का दर्जा देने वाले हम हिंदू और हमारी भावनाएं इन्हें लेकर किसी विवाद से आहत होती हैं। हम धार्मिक वैमनस्य की गलियों में तो गोवंश के समर्थन और सुरक्षा में एकजुट हो जाते हैं, लेकिन इनके आवारा झुंडों के करीब जाने से भी कतराते रहते हैं। जब पांवटा साहिब की भावनाएं उबाल बिंदु पर थीं, तब भी शहर के किसी कोने में कोई गाय आवारा थी। जब हिंदू संवेदना इस भूखंड पर प्रचंड थी, तब भी गोवंश का कोई सदस्य कूड़े में मुंह मार रहा था या प्लास्टिक चबा रहा था। हमारा आक्रोश अगर सही है, तो हम बता दें पूरे विश्व को कि गऊ माता को हम अपनी छत या सामुदायिक जिम्मेदारी से कितना प्रश्रय देते हैं। क्या गोवंश चौराहों पर आवारा परिक्रमा का दस्तूर बनकर जीए या आवारा होते ही इसके हिस्से का नवाला छीन लिया जाए। जब तक हमारी खेती और हमारी आर्थिकी गोवंश को पूरी तरह नहीं अपनाएगी, ये असहाय प्राणी अपनी खुराक की तलाश में किसान को रुलाएगा। काश वन संरक्षण अधिनियम की परिपालना से पहले हिमाचल ने पशुओं के चारे के लिए निर्धारित जमीनों पर चीड़ न उगाए होते। हमने वे सारी धारें बर्बाद कर दीं जहां हर मौसम, परिस्थिति और हर हालत में पशुओं को चारा मिला करता था। आज परिस्थितियां शांता कुमार की गली तक बिगड़ी हैं, तो वहां घूमते आवारा पशुओं के पीछे हम सभी मूकदर्शक हैं। गोवंश की प्रासंगिकता अगर जीवन में घट गई, तो हमारे सांस्कृतिक सरोकार कहीं न कहीं खोखले व दोगले हैं। इसी बीच कांगड़ा के कच्छियारी के हर्मिंद्र सिंह के बछड़े का मूल्य अगर पशुपालन विभाग तय कर रहा है, तो इस पशुपालक की प्रयोगशाला से तमाम गोवंश समर्थकों को सेवा भाव भी सीख लेना चाहिए। हर्मिंद्र सिंह की गाय का बछड़ा खरीद कर विभाग गउओं के संतान परीक्षण को अहमियत दे रहा है। यह बछड़ा बता रहा है कि गोवंश की रक्षा करनी है, तो हमें उसे घर की छत के नीचे अपनी विरासत के साथ सांझा करना पड़ेगा, वरना सरकारी दायित्व में गोसदन सिर्फ कंकाल भवन बने नजर आएंगे।

टेक्नोलॉजी

Facebook, Whatsapp समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को इस्तेमाल करने वाले खबरदार, ध्यान रखें ये बातें नहीं तो आज हो सकती है जेल

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है. लोग फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स पर काफी एक्टिव रहते हैं, जहां पर लोग डेली कुछ न कुछ पोस्ट करते हैं.

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है. लोग फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स पर काफी एक्टिव रहते हैं, जहां पर लोग डेली कुछ न कुछ पोस्ट करते हैं. यहां लोग रोज़ाना अपने विचार, फोटो, वीडियो और जानकारी शेयर करते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल आपको जेल तक पहुंचा सकता है? जी हां, सोशल मीडिया पर की गई एक छोटी सी गलती आपको बहुत भारी पड़ सकती है. ऐसे में इन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल आपको काफी सावधानी से करना चाहिए.

सोशल मीडिया पर फेक न्यूज या अफवाह फैलाना - सोशल मीडिया पर अगर आप किसी झूठी खबर, अफवाह या भड़काऊ पोस्ट को शेयर करते हैं तो यह आईटी एक्ट और भारतीय दंड संहिता के तहत अपराध माना जाता है. इससे सामाजिक शांति भंग हो सकती है और इसके लिए आपको जेल हो सकती है. इसके अलावा धर्म, जाति, लिंग या क्षेत्र के आधार पर किसी भी व्यक्ति या समूह के खिलाफ नफरत फैलाने वाले पोस्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डालना कानूनन अपराध है. यह साइबर क्राइम की श्रेणी में आता है और इसके लिए सख्त सजा का प्रावधान है.

महिलाओं से संबंधित पोस्ट पर सावधानी बरतें - इतना ही नहीं, महिलाओं की अश्लील तस्वीरें, वीडियो या उन पर अपमानजनक टिप्पणी करना आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत गंभीर अपराध माना जाता है. ऐसा करने पर जेल और जुर्माना या दोनों हो सकते हैं. ऐसे में सोशल मीडिया पर आपको सभी का सम्मान करना चाहिए. इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर किसी की फोटो, वीडियो, मोबाइल नंबर या अन्य निजी जानकारी को बिना इजाज़त सार्वजनिक करना प्राइवेसी के अधिकार का उल्लंघन है और इसके लिए कानूनी कार्यवाही हो सकती है.

साइबर बुलिंग और ट्रोलिंग से बचें - किसी को बार-बार परेशान करना, अपमानजनक मैसेज भेजना या सोशल मीडिया पर ट्रोल करना मानसिक उत्पीड़न की श्रेणी में आता है और इसके लिए भी आपको जेल हो सकती है. सोशल मीडिया अपने विचारों को शेयर करने का एक माध्यम है लेकिन ध्यान रहे कि आपके किसी भी पोस्ट से कोई आहत न हो.

जनरल नॉलेज

हिंदू राष्ट्र की मांग क्यों कर रहे हैं नेपाल के लोग? जान लीजिए इस देश का इतिहास

नेपाल में हिंदू राष्ट्र की मांग जोर पकड़ रही है. वहां के लोग राजशाही वापस चाहते हैं. लेकिन वहां पर ऐसा क्यों हो रहा है, आइए जानें.

नेपाल में लगातार हिंदू राष्ट्र की मांग के लिए प्रदर्शन चल रहा है. वहां के लोगों का कहना है कि वो वहां पर लोकतंत्र नहीं बल्कि राजशाही चाहते हैं. वहां की भीड़ राजशाही को लेकर नारेबाजी कर रही है और पूर्व राजा का स्वागत भी कर रही है. आज से करीब 16 साल पहले नेपाल दुनिया का एकमात्र हिंदू राष्ट्र हुआ करता था. यहां पर साल 2008 तक ज्ञानेंद्र शाह नेपाल के राजा थे, लेकिन फिर एक माओवादी आंदोलन और कथित वामपंथी क्रांति हुई और इस देश में सत्ता परिवर्तन हो गया. ज्ञानेंद्र शाह को सिंहासन छोड़ना पड़ा, लेकिन अब फिर से वहां पर राजशाही के समर्थक शासन में राजशाही व्यवस्था में वापसी की मांग कर रहे हैं. चलिए जानते हैं कि आखिर ऐसा क्यों है और नेपाल का इतिहास क्या है.

मुगल और अंग्रेज भी नहीं कर पाए थे नेपाल पर कब्जा - इतिहास की बात करें तो नेपाल एक समय पर भारत का ही हिस्सा था. लेकिन अंग्रेजों और मुगलों ने इसको कभी भी अपने राज्य में शामिल करने के बारे में नहीं सोचा. दरअसल उस दौर में नेपाल पर कब्जा करना इतना आसान नहीं था. इतिहास को देखा जाए तो भारत में जब भी आक्रांताओं ने कब्जा किया है जो उसकी दो वजहें थीं, या तो वो इलाका उनके रास्ते में आता हो या फिर वहां से उनको लूटमार करनी हो. नेपाल का महत्व भी कम नहीं था. लेकिन नेपाल ऊंची दुर्गम पहाड़ियों से घिरा था और नेपालियों से लड़ना आसन नहीं था. वहीं अंग्रेजों के लिए भी यह आसान काम नहीं था. अंग्रेजों ने नेपालियों से लड़ा और इसमें उनकी जीत भी हुई, लेकिन उनकी हालत बहुत खराब हो गई थी. इसीलिए नेपाल और अंग्रेजों के बीच में समझौता हुआ और अंग्रेजों ने यहां व्यापार करने में रुचि दिखाई.

क्यों हो रही हिंदू राष्ट्र की मांग - नेपाल की राष्ट्रीय प्रजातांत्रिक पार्टी के सीनियर उपाध्यक्ष रविंद्र मिश्रा ने बीबीसी को बताया था कि उनकी पार्टी नेपाल में राजशाही क्यों चाहती है. उनका कहना था कि नेपाल में इस वक्त जो व्यवस्था चल रही है, उससे वहां के लोगों का मोहभंग हो चुका है. लोग इस वक्त पुराने दिन याद कर रहे हैं. 2008 में सत्ता परिवर्तन के बाद से 17 सालों के बाद वहां के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह अब विलेन नहीं हैं. वहीं टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट की मानें तो वहां के लोगों का कहना है कि नई शासन व्यवस्था से अब मोहभंग हो चुका है.

बद्तर हो रहे देश के हालात - एक अन्य शख्स का कहना था कि वह 16 साल पहले उस प्रदर्शन में शामिल था, जो कि राजशाही को खत्म करने के लिए किया गया था. उम्मीद थी कि हालात बदलेंगे लेकिन ऐसा हुआ नहीं. नेपाल में कुछ नहीं बदला है और बल्कि देश और बदल चुका है,

बांग्लादेश में एयरबेस बनाते ही चीन का `स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' हो जाएगा पूरा पाकिस्तान संग मिलकर भारत को घेरने में जुटा ड्रैगन

एजेंसी ढाका

इक्कीसवीं सदी की सबसे जटिल और खतरनाक रणनीतिक चालें अब सिर्फ मिसाइलों, टैंकों या युद्धपोतों से नहीं, बल्कि एयरबेस और बंदरगाहों की पोजिशनिंग से तय हो रही हैं। हाल ही में रिपोर्ट मिली है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने चीन को लालमोनिरहाट एयरबेस बनाने का प्रस्ताव दिया है। जो भारत के लिए एक रणनीतिक अलर्ट है। मोहम्मद यूनुस का ये कदम सीधे-सीधे पूर्वी भारत की सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक में भारत की रणनीतिक गहराई को चुनौती देता है। इस ऑफर की संवेदनशीलता तब और बढ़ जाती है जब हम इसे चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति के हिस्से के रूप में देखें, एक ऐसा जियो-स्ट्रैटजिक चक्रव्यूह जो भारत को समुद्र और जमीन, दोनों से घेरने के इरादे से रचा जा रहा है। बांग्लादेश ने अब तक अपनी विदेश नीति को संतुलित रखा था। भारत, अमेरिका और चीन, तीनों से संबंध बनाए रखने की उसकी कोशिशों को कूटनीतिक रूप से सराहा जाता रहा है। लेकिन अब मोहम्मद यूनुस की अगुआई में जो नया अस्थायी ढांचा बना है, उसमें चीन के साथ बढ़ती नजदीकियों ने भारत के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। चीन की कंपनियों की तरफ से पहले से ही बांग्लादेश में पहले ही दर्जनों इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं, लेकिन एयरबेस या मिलिटरी लोकेशन की बात अब तक टाली जाती रही। लेकिन अब एयरबेस के न्योते से साफ हो गया है कि ढाका की नीति अब केवल इकोनॉमिक नहीं रही, बल्कि वह रणनीतिक रूप से भारत को खतरे में डालना चाहता है। लालमोनिरहाट, भारत के रणनीतिक सिलीगुड़ी कॉरिडोर के बेहद नजदीक है, जो देश के पूर्वोत्तर राज्यों को भारत के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। यदि चीन इस एयरबेस को बनाता है, तो यह उसके 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति की अगली कड़ी बन सकती है, जिससे भारत की पूर्वी सीमाएं खतरे में आ जाएंगी। सिलिगुड़ी कॉरिडोर की नजदीकी- अगर चीन को बांग्लादेश में एयरबेस मिल जाता है, तो वह सीधे भारत के सबसे संवेदनशील स्ट्रैटेजिक चोकपॉइंट, "चिकन नेक" (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) के करीब आ जाएगा। पूर्वोत्तर की घेराबंदी- यह एयरबेस भारत के नॉर्थईस्ट राज्यों पर रणनीतिक प्रेशर बढ़ाएगा। चीन पहले से ही अरुणाचल प्रदेश पर दावा करता है, और अगर उसके विमान बांग्लादेश से भी भारत के करीब होंगे, तो यह सुरक्षा पर दोहरी चोट साबित हो सकती है। इंटेलिजेंस ऑपरेशंस का खतरा- एयरबेस महज एयरक्राफ्ट की लैंडिंग या टेकऑफ के लिए नहीं होता, वहां रडार, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस सिस्टम भी स्थापित होते हैं। इसका मतलब भारत की गतिविधियों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा सकती है। लेफ्टिनेंट कर्नल जेएस सोढ़ी (रिटायर्ड) ने नवभारत टाइम्स से एक्सक्लूसिव बात करते हुए इस बात को माना है कि चीन का 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' अब पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि "भारत के खिलाफ टू फ्रंट वार का खतरा वास्तविक है। भारत के 8 पड़ोसी देशों में सिर्फ भूटान हमारे साथ है। बाकी सभी देश किसी ना किसी तरह से चीन के पक्ष में झुके हैं। युद्ध की स्थिति में चीन इन्हें भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर सकता है। भारत के सैन्य प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी भी ऐसा खतरा जता चुके हैं। चीन का "स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स" अब पूरा हो चुका है।" दिलचस्प बात यह है कि जिस तरह चीन अब बांग्लादेश में एयरबेस बनाने के सपने देख रहा है, वैसी ही योजना अमेरिका की भी रही है। अमेरिका लंबे समय से बांग्लादेश-म्यांमार सीमा के पास स्थित सेंट मार्टिन द्वीप पर एक एयरफील्ड यानि मिलिटरी फेसिलिटी बनाना चाहता था। यह जगह सामरिक नजरिए से अत्यंत महत्वपूर्ण है। बंगाल की खाड़ी, म्यांमार और अंडमान निकोबार ट्रायंगल के ठीक पास ये जगह है और भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन बांग्लादेश ने अमेरिका की इस योजना को अब तक होल्ड पर रखा है और चीन को खुला न्योता दे दिया है। ये फैसला बताता है कि ढाका किस दिशा में झुक रहा है और इससे भारत-अमेरिका के लिए नई चुनौती खड़ी होती है। माना जाता है कि मोहम्मद यूनुस जानते हैं कि ट्रंप प्रशासन के रहते अमेरिका से उन्हें कुछ हासिल नहीं होने वाला है, इसलिए वो चीन के करीब जा रहे हैं। चीन के जरिए वो ना सिर्फ भारत को बैलेंस करना चाहते हैं, बल्कि भारत को डराना चाहते हैं। वो भारत को ये संदेश देना चाहते हैं कि बांग्लादेश को भारत की सुरक्षा से कोई मतलब नहीं है और वो कुछ भी कर सकता है। कुछ भी मतलब कुछ भी। इंटरनेशनल रिलेशंस एंड इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन के फैकल्टी डॉ. मनन द्विवेदी ने कहा कि "चीन अब भारत के पूर्वोत्तर के साथ संपर्क के एकमात्र रास्ते के करीब बेस बनाना चाहता है। मोहम्मद युनुस ने बीजिंग में घोषणा की कि वह भारत के पूर्वोत्तर में उसके व्यापार को बढ़ाना चाहते हैं, जो अशांत करने वाला है। चीन अब बांग्लादेश में अपने एयरबेस के साथ चिकन नेक को धमका रहा है, जो उभरते भारत को रोकने के अलावा और कुछ नहीं है।" 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' चीन की वह जियो-पॉलिटिकल रणनीति है, जिसके तहत वह हिंद महासागर क्षेत्र में एक के बाद एक बंदरगाहों, एयरबेस और सैन्य-संबंधित ठिकानों का नेटवर्क तैयार कर रहा है। यह रणनीति दक्षिण चीन सागर से लेकर अफ्रीका के पूर्वी तट तक फैली हुई है, जिसका मकसद चीन की नौसैनिक पहुंच को विस्तार देना और भारत को चारों तरफ से घेरना है। पाकिस्तान का ग्वादर, श्रीलंका का हंबनटोटा, म्यांमार का क्यौकप्यू और अब बांग्लादेश का लालमोनिरहाट, ये सब उसी 'मोती की माला' के चमकते, लेकिन भारत के लिए खतरनाक प्वाइंट्स हैं। अब अगर बांग्लादेश में एक एयरबेस जुड़ता है, तो चीन का समुद्री और हवाई चक्र भारत के चारों तरफ लगभग पूरा हो जाएगा। इससे चीन को न सिर्फ भारत के तटीय इलाकों पर दबाव बनाने की क्षमता मिलेगी, बल्कि इंडियन नेवी और एयरफोर्स की तैनाती में भी लगातार बाधा आ सकती है। लिहाजा सवाल ये उठते हैं कि भारत के पास चीन की स्ट्रैटजी और बांग्लादेश की ब्लैकमेलिंग को काउंटर करने का रास्ता क्या है? QUAD को और मजबूत बनाना- भारत को अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान वाले गठबंधन क्वाड को और मजबूत बनाने की कोशिश करनी होगी। मिलिट्री इंटेलिजेंस को शेयर करना होगा और भारत को अपना मजबूत स्ट्रैटजिक एलायंस बनाना होगा।

तहव्वुर राणा तो बहुत छोटा खिलाड़ी है, अमेरिका ने डबल एजेंट हेडली को क्यों नहीं सौंपा ट्रंप की मंशा पर उठे गंभीर सवाल

एजेंसी वॉशिंगटन

26/11 मुंबई हमले को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाने वाले तहव्वुर राणा भारत आ चुका है। अमेरिका से तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण सरकार, भारतीय एजेंसियों और भारत की डिप्लोमेसी की बहुत बड़ी जीत मानी जा रही है। लेकिन कुछ लोगों ने अमेरिका की मंशा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। भारत के पूर्व केंद्रीय गृह सचिव जीके पिल्लई ने बुधवार को कहा कि तहव्वुर राणा की इस नरसंहार में बहुत "छोटी भूमिका" थी और मुख्य साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली को अमेरिकी सरकार का संरक्षण प्राप्त है। जीके पिल्लई के अलावा भी कई लोगों ने हेडली का प्रत्यर्पण नहीं होने को लेकर सवाल उठाए हैं। द हिंदू को दिए गये एक इंटरव्यू के मुताबिक जीके पिल्लई ने कहा है कि अमेरिका ने "बुरी नीयत" से काम किया और आतंकी योजना के बारे में जानने के बावजूद उन्होंने राणा के स्कूल के दोस्त और मुख्य साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली को उसकी "भारत विरोधी गतिविधि" जारी रखने इजाजत दी। पूर्व भारतीय अधिकारी ने द हिंदू से कहा कि "डेविड कोलमैन हेडली ने अमेरिकी सरकार और पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) के लिए एक डबल एजेंट के तौर पर काम किया।" उन्होंने कहा कि "2009 में हेडली की गिरफ्तारी के बाद अमेरिका ने उसे दलील-सौदेबाजी की पेशकश करके भारत में उसके प्रत्यर्पण को रोक दिया।" जीके पिल्लई ने कहा कि "26/11 के हमले के बाद भी हेडली मुंबई वापस आया। अगर हमें पता होता कि वह रसद और सहायता के मामले में एक सहयोगी है तो हम उसे मुंबई में गिरफ्तार कर सकते थे। यह निश्चित रूप से अमेरिकियों की तरफ से किया गया बुरा व्यवहार था। यह वास्तव में दिखाता है कि जहां तक अमेरिकियों का सवाल है, वे सिर्फ अपने हितों की परवाह करते हैं, और किसी और की परवाह नहीं करते हैं।" वहीं तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण कितनी बड़ी बात है, इस सवाल पर पूर्व भारतीय अधिकारी पिल्लई ने कहा कि "हेडली को भारत आने में सक्षम बनाने के लिए कानूनी कवर प्रदान करने में उसकी भूमिका छोटी थी, बल्कि निष्क्रिय भूमिका थी। उसकी भूमिका मुंबई में आव्रजन कार्यालय स्थापित करना और हेडली को तैनात करना था और इन यात्राओं के दौरान ही हेडली ने आतंकवादियों को ले जाने वाली नाव के उतरने की जगह की पहचान की थी। उसने इन सभी जगहों की टोह ली थी और उसकी जानकारी ISI को दी थी।" आपको बता दें कि पिल्लाई के कार्यकाल के दौरान ही अक्टूबर 2009 में अमेरिकी अधिकारियों ने हेडली और तहव्वुर राणा को गिरफ्तार किया था। मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के करीब एक साल बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें 166 लोग मारे गये थे। पिल्लई ने द हिंदू से कहा कि "शायद बाद में NIA के पास महत्वपूर्ण सबूत आए होंगे और वो क्या सबूत थे वो चार्जशीट दाखिल होने के बाद ही पता लग पाएगा। लेकिन जब मैं गृह सचिव था तब उसे गिरफ्तार किया गया था और कानूनी प्रक्रिया में काफी समय लगता है। खासकर प्रत्यर्पण में काफी वक्त लगता है। लेकिन आखिरकार ये हो गया।" इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि "अब तक जमा किए गए सबूतों के आधार पर राणा को दोषी ठहराया जाएगा।" पिल्लई ने कहा कि "हेडली का पिता पाकिस्तानी मूल का नागरिक था, लेकिन उसका चेहरा एक अमेरिकी नागरिक जैसा लगता था और वो अपनी शक्ल और पासपोर्ट के कारण अमेरिकी नागरिक के रूप में पेश हो सकता है, जिस पर सिर्फ उसकी मां का नाम लिखा हुआ था।"

पाकिस्तान में आकार ले रहा राम मंदिर, पुजारी ने बताया निर्माण का भारत से कनेक्शन, मां गंगा का जिक्र कर सुनाई कहानी

एजेंसी इस्लामाबाद

भारत के अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद पूरी दुनिया से हिंदू धर्म के अनुयायी यहां दर्शन के लिए आते हैं। फिर भी, पाकिस्तान के हिंदुओं के लिए यहां आना आसान नहीं है। इसकी सबसे प्रमुख वजह दोनों देशों के बीच तनाव है, जिसके चलते लोगों को आवाजाही के लिए वीजा मिलना मुश्किल होता है। लेकिन पाकिस्तान में एक जगह ऐसी है, जहां के हिंदुओं ने इसकी भी काट ढूढ़ ली हैं। यहां पर रहने वाले हिंदू अपना राम मंदिर बना रहे हैं। आइए पाकिस्तान के राम मंदिर के बारे में जानते हैं। पाकिस्तान में आकार ले रहे इस राम मंदिर के बारे में पाकिस्तानी व्लॉगर माखन राम ने अपने व्लॉग में जानकारी दी है। सिंध प्रांत के थारपार्कर जिले के एक गांव में इस मंदिर का निर्माण हो रहा है। माखन राम जब मेघवाल बाड़ा में जब पहुंचे तो वहां पर मंदिर परिसर में सत्संग के लिए स्टेज का निर्माण चल रहा था। इस दौरान मंदिर के पुजारी थारूराम भी वहां मौजूद थे। पुजारी ने बताया कि उन्होंने भारत की यात्रा की थी और वहां से गंगाजल लेकर आए थे। पुजारी थारूराम ने कहा कि उन्होंने मां गंगा से केवल यही मांगा था कि उन्हें राम मंदिर दे दो। 'मैंने कहा कि मुझे धन दौलत नहीं चाहिए, अगर मां कुछ देना है तो मुझे राम मंदिर दे दो।' उन्होंने आगे बताया कि पाकिस्तान के अलग-अलग हिस्सों से लोग मंदिर के निर्माण में उनकी मदद कर रहे हैं। थारूराम ने बताया कि उन्होंने छह महीने पहले मंदिर का निर्माण शुरू किया था। मुख्य मंदिर बनकर पूरा हो चुका है, लेकिन अभी इसमें मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होनी बाकी है। मंदिर की बाउंड्री भी बन चुकी है और परिसर के अंदर अन्य निर्माण चल रहे हैं। फिलहाल, पाकिस्तान का ये राम मंदिर स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

भारत के ट्रांसशिपमेंट समझौता रद्द करने से बांग्लादेश को कितना नुकसान, यूनुस सरकार तो शेखी बघार रही

एजेंसी ढाका

भारत के ट्रांसशिपमेंट समझौता रद्द करने के फैसले पर बांग्लादेश भड़का हुआ है। इस समझौते के टूटने के कारण बांग्लादेश अब भारत के रास्ते अपने सामानों का निर्यात नहीं कर पाएगा। भारत ने यह फैसला तब लिया है, जब कुछ दिनों पहले ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने चीन में पूर्वोत्तर भारत को लेकर विवादित बयान दिया था। इस बीच यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के वाणिज्य सलाहकार शेख बशीर उद्दीन ने दावा किया है कि भारत द्वारा ट्रांसशिपमेंट सुविधा रद्द करने से बांग्लादेश को कोई परेशानी नहीं होगी। यूनुस ने कहा था कि भारत का पूर्वोत्तर चारों ओर से जमीन से घिरा है और उनका देश इस इलाके में एकमात्र समंदर के सिकंदर है। उन्होंने कहा, "कल बुधवार को विभिन्न क्षेत्रों के व्यापार प्रतिनिधियों के साथ चर्चा हुई थी; यहां तक कि खरीदार भी मौजूद थे। हम अपनी व्यवस्थाओं के जरिए संकट से उबरने का प्रयास करेंगे।" वाणिज्य सलाहकार ने गुरुवार को सचिवालय में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ये टिप्पणियां कीं। बशीर उद्दीन ने कहा कि बांग्लादेश अपनी क्षमताओं के जरिए यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है कि प्रतिस्पर्धा में कोई कमी न हो। उन्होंने कहा, वाणिज्यिक क्षमता को बढ़ाया जाएगा। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं कि कनेक्टिविटी में भी कोई कमी न हो।" 29 जून 2020 को भारत ने तीसरे देशों को बांग्लादेशी सामानों के ट्रांसशिपमेंट के लिए अपने क्षेत्र के उपयोग की अनुमति देते हुए एक आदेश जारी किया। हालांकि, भारत के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने मंगलवार को उस आदेश को रद्द कर दिया। इस घटनाक्रम के बाद क्या उपाय किए जाएंगे, इस बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में वाणिज्य सलाहकार शेख बशीर उद्दीन ने कहा, "बुनियादी ढांचे से संबंधित कुछ मुद्दे हैं, जबकि बढ़ी हुई लागत से संबंधित कुछ मुद्दे हैं- हम इन मामलों पर काम कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि चुनौतियों पर काबू पाया जा सकता है।" जब बांग्लादेश से पारस्परिक ट्रांसशिपमेंट या पारगमन व्यवस्था को रद्द करने पर विचार करने के लिए सोशल मीडिया पर बढ़ती मांगों के बारे में पूछा गया, तो वाणिज्य सलाहकार ने जवाब दिया कि ऐसे मामले उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आते हैं; उनकी जिम्मेदारी क्षमता बढ़ाने में निहित है। भारत को औपचारिक पत्र भेजे जाने के बारे में एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, वाणिज्य सलाहकार ने कहा, "फिलहाल, पत्र भेजने का मामला विचाराधीन नहीं है।" उन्होंने आगे कहा, "चूंकि संयुक्त राज्य अमेरिका ने तीन महीने के लिए अतिरिक्त शुल्क निलंबित कर दिया है, इसलिए यह तत्काल राहत प्रदान करता है और आगे की चर्चाओं के लिए समय देता है।"

इजरायल ने `खलीफा' एर्दोगन को क्यों धमकाया, बोला- लाल रेखा पार करने की कोशिश न करे तुर्की

एजेंसी तेल अवीव

इजरायल ने खलीफा कहे जाने वाले रेसेप तैयप एर्दोगन के देश तुर्की को सीरिया में लाल रेखा पार न करने की चेतावनी दी है। यह चेतावनी तब आई है, जब सीरिया में समन्वय तंत्र बनाने के प्रयासों के तहत इजरायल और तुर्की के प्रतिनिधियों ने बुधवार को अजरबैजान में मुलाकात की। बैठक में, इजराइली प्रतिनिधिमंडल ने यह स्पष्ट रूप से स्पष्ट किया कि सीरिया में विदेशी बलों की तैनाती में कोई भी बदलाव, विशेष रूप से पाल्मेरा क्षेत्र में तुर्की के ठिकानों की स्थापना, एक रेड लाइन है और इसे एक गंभीर उल्लंघन माना जाएगा। द जेरूसलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, तुर्की के साथ बातचीत के लिए इजरायली टीम का नेतृत्व राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुख तजाची हनेग्बी और सरकार के सैन्य सचिव ब्रिगेडियर-जनरल रोमन गोफमैन ने किया। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बाद में एक बयान में कहा कि चर्चा के दौरान, प्रत्येक पक्ष ने क्षेत्र में अपने हितों को प्रस्तुत किया और सुरक्षा स्थिरता बनाए रखने के लिए संवाद ट्रैक को जारी रखने पर सहमति व्यक्त की गई। इजरायल ने पहले ही बता दिया है कि इस तरह के खतरे को रोकना अहमद अल-शरा के नेतृत्व वाली दमिश्क में सरकार की जिम्मेदारी है। सूत्र ने कहा कि इजरायल को खतरे में डालने वाली कोई भी कार्रवाई सीरियाई सरकार को भी खतरे में डाल देगी। दरअसल कुछ दिनों पहले ही तुर्की ने सीरिया में बड़े पैमाने पर सैनिकों और सैन्य साजोसामान की तैनाती की है। यह तैनाती तब हुई है, जब इजरायल लगातार सीरिया पर हवाई हमले कर रहा है। तुर्की ने बशर-अल-असद के सत्ता से हटने के बाद नई सीरियाई सरकार के साथ रक्षा समझौता किया है। इस समझौते के तहत सीरिया की सुरक्षा की जिम्मेदारी तुर्की की होगी। इसके बदले सीरिया की नई सरकार तुर्की के इशारों पर चलेगी। दरअसल, पहले की सरकार के दौरान सीरिया के विद्रोही गुटों से तुर्की को खतरा रहता था। इसी कारण तुर्की ने असद विरोधी धड़े को सहायता देकर दमिश्क पर कब्जे में मदद की थी। इस कारण वर्तमान सीरियाई सरकार तुर्की का हर आदेश मान रही है।

बांग्लादेश के साथ मिलकर म्यांमार में क्या करने जा रहा अमेरिका, एक्शन में ट्रंप के तीन सीनियर अधिकारी

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका के तीन वरिष्ठ अधिकारी 14 अप्रैल को ढाका पहुंचने वाले हैं। ये तीनों अधिकारी अमेरिकी विदेश विभाग से जुड़े हैं। इनकी यात्रा का मकसद म्यांमार में अमेरिकी राजनीतिक और सैन्य उद्देश्यों को पूरा करना है। म्यांमार गृह युद्ध की आग में जल रहा है और देश पर सैन्य जुंटा का शासन है, जिसका नियंत्रण मिन आंग ह्लाइंग के हाथों में है। ह्लाइंग को चीन का करीबी माना जाता है। इस कारण वर्तमान समय में म्यांमार में चीनी प्रभुत्व काफी बढ़ गया है। दूसरी ओर म्यांमार के राखीन प्रांत में विद्रोही गुटों का नियंत्रण बढ़ता जा रहा है। म्यांमार की अराकान आर्मी इस इलाके की तीन प्रमुख टाउनशिपों पर नियंत्रण करने के लिए एक अभियान चलाने के लिए भी तैयार है। नॉर्थईस्ट न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश सरकार के शीर्ष सूत्रों ने कहा कि नेपीडॉ में अमेरिकी प्रभारी सुसान स्टीवेन्सन पहले से ही ढाका में हैं। उनके साथ दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए उप सहायक सचिव निकोल एन चुलिक और पूर्वी एशियाई और प्रशांत मामलों के लिए उप सहायक सचिव एंड्रयू आर हेरुप 14 अप्रैल को ढाका पहुंचेंगे। सूत्रों ने कहा कि विदेश विभाग के तीन प्रमुख अधिकारी एक सप्ताह के लिए बांग्लादेश की राजधानी में रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे अंतरिम प्राधिकरण के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और सेना प्रमुख जनरल वकर-उज़-ज़मान सहित प्रमुख बांग्लादेशी सार्वजनिक अधिकारियों से मिलेंगे, जो 12 अप्रैल को रूस की अपनी मौजूदा यात्रा से स्वदेश लौटेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का उद्देश्य वास्तव में राजनीतिक प्रकृति का है और यह म्यांमार पर लक्षित है। अमेरिकी अधिकारियों की इस यात्रा का बांग्लादेश के हालात से बहुत ज्यादा लेना-देना नहीं है। म्यांमार में अमेरिकी दूतावास की प्रभारी स्टीवेन्सन ने पहले इंटेलिजेंस एंड रिसर्च ब्यूरो (2021-2023) में प्रिंसिपल डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी, इक्वेटोरियल गिनी गणराज्य में राजदूत (2019-2021) और पब्लिक अफेयर्स ब्यूरो (2016-2019) में प्रिंसिपल डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी के रूप में कार्य किया है, जिसमें जनवरी 2017 से फरवरी 2018 तक कार्यवाहक सहायक सचिव के रूप में कार्य करना शामिल है। इसके अलावा वह बीजिंग, हांगकांग, मैक्सिको सिटी और बैंकॉक में कार्यभार संभालने के बाद थाईलैंड के चियांग माई में अमेरिकी महावाणिज्यदूत के पद पर भी रही हैं। वहीं पूर्वी एशियाई और प्रशांत मामलों के लिए उप सहायक सचिव एंड्रयू आर हेरुप सितंबर 2024 में पूर्वी एशियाई और प्रशांत मामलों के ब्यूरो में डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी (डीएएस) बने। उन्होंने पहले मई से अगस्त 2024 तक नोम पेन्ह, कंबोडिया में अंतरिम प्रभारी के रूप में कार्य किया। उनके अन्य विदेशी कार्यभारों में थाईलैंड, युगांडा, वियतनाम और मलेशिया शामिल हैं। तीन विदेश विभाग के अधिकारियों की यात्रा से पहले अमेरिकी सेना के प्रशांत उप कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जोएल वॉवेल की यात्रा हुई थी, जिन्होंने ढाका में अपने दो दिवसीय (24 और 25 मार्च) प्रवास के दौरान जनरल ज़मान और बांग्लादेश के सैन्य संचालन महानिदेशक ब्रिगेडियर जनरल अलीमुल अमीन से मुलाकात की थी।

सनराइजर्स हैदराबाद ने किया चमत्कार, आईपीएल इतिहास में किया दूसरा सबसे बड़ा रनचेज, पंजाब को धो डाला

अभिषेक शर्मा की रिकॉर्ड शतकीय पारी की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने पंजाब किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। मैच में पंजाब किंग्स की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 245 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में सनराइजर्स ने ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

हैदराबाद, एजेंसी : अभिषेक शर्मा की विध्वंसक शतकीय पारी से सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। सनराइजर्स हैदाराबाद की टीम ने की यह इस सीजन की दूसरी जीत है। इसके साथ ही सनराइजर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास का दूसरे सबसे स्कोर लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। मुकाबले में पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के खेल में 245 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में सनराइजर्स ने अभिषेक के शतक और ट्रेविस हेड की फिफ्टी से आसानी से मैच को अपने नाम कर लिया।

मुकाबले में लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स की टीम के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने मिलकर पहले विकेट के लिए 171 रनों की साझेदारी की। पंजाब के खिलाफ इन दोनों बल्लेबाजों ने अपनी तूफानी बैटिंग से मैच को एकतरफा बना दिया। हालांकि, इस दौरान ट्रेविस हेड 37 गेंद में 66 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन अभिषेक शर्मा का तूफान जारी रही।

अभिषेक की 40 गेंद में पूरी हुई सेंचुरी - ट्रेविस हेड के विकेट के बाद अभिषेक शर्मा और ज्यादा विस्फोटक हो गए। सबसे पहले अभिषेक ने 19 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की। इसके बाद अगले 50 रन बनाने में उन्होंने 21 गेंद का सामना किया। इस करह अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 40 गेंद में अपनी शतक पूरा कर लिया। आईपीएल में अभिषेक शर्मा का यह पहला शतक था। सिर्फ इतना ही अभिषेक इस लीग में सनराइजर्स के लिए दूसरा सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। सनराइजर्स की तरफ से फास्टेस सेंचुरी का रिकॉर्ड ट्रेविस हेड के नाम है। ट्रेविस हेड ने साल 2024 में आरसीबी के खिलाफ यह रिकॉर्ड अपरने नाम किया था।

मुंबई और दिल्ली के मैच में रोहित और राहुल पर होगी निगाह

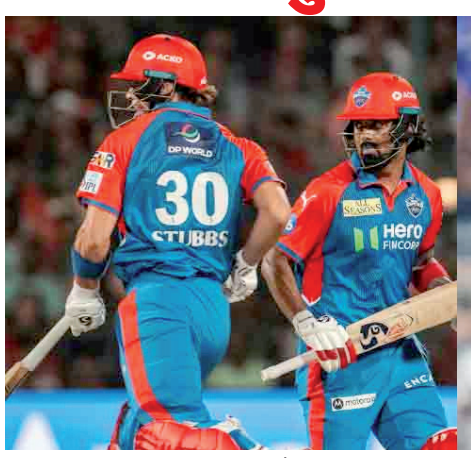

नयी दिल्ली, एजेंसी | 12 अप्रैल (भाषा) खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा रविवार को यहां मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाले मैच में स्पिनरों की कड़ी चुनौती से पार पाकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खुद को प्रासंगिक बनाए रखने का प्रयास करेंगे।

रोहित जहां रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं वहीं मुंबई की टीम को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो दिल्ली के कुशल बल्लेबाज के एल राहुल के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं।

दिल्ली की टीम ने टूर्नामेंट के पहले चरण में शानदार प्रदर्शन किया है और इसलिए वह इस मैच में जीत के दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। दिल्ली की टीम की निगाह लगातार पांचवीं जीत हासिल करने पर होगी जबकि हार्दिक पंड्या के नेतृत्व वाली मुंबई की टीम छह मैच में पांचवीं हार से बचने की कोशिश करेगी।

आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में एक हार से लय गड़बड़ा सकती है और मुंबई इंडियंस तो पिछले साल से चले आ रहे खराब प्रदर्शन में सुधार नहीं कर पाई है। पिछले साल उसकी टीम अंतिम स्थान पर रही थी।

मुंबई के लिए रोहित की फॉर्म चिंता का विषय है जो अभी तक चार मैच में केवल 38 रन बना पाए हैं। दिल्ली के खिलाफ उन्हें अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे मंझे हुए स्पिनरों के अलावा अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाले विपराज निगम से कड़ी चुनौती मिलना सुनिश्चित है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कुलदीप को अभी तक टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर करार दिया है। कुलदीप ने अभी तक सभी मैच में चार ओवर का अपना कोटा पूरा किया है तथा उन्होंने छह रन प्रति ओवर से भी कम के इकोनॉमी रेट से आठ विकेट लिए हैं। निगम एक ऑलराउंडर हैं और उन्होंने अभी तक पांच विकेट लिए हैं। कप्तान अक्षर पटेल को अभी तक कोई विकेट नहीं मिला है। मुंबई के खिलाफ वह गेंदबाजी का आगाज कर सकते हैं क्योंकि रोहित को बाएं हाथ के स्पिनरों को खेलने में मजा नहीं आता है। मुंबई की तरफ से रोहित के अलावा तिलक वर्मा और उप कप्तान सूर्यकुमार यादव भी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। मुंबई को अगर जीत की राह पर लौटना है तो इन तीनों बल्लेबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

फिट होकर वापसी करने वाले बुमराह पहले मैच में बहुत खतरनाक नजर नहीं आए थे लेकिन पूरी उम्मीद है कि वह जल्द ही अपनी वास्तविक लय हासिल कर लेंगे। दिल्ली के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना बड़ी चुनौती होगी।

दिल्ली के सलामी बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं लेकिन राहुल बहुत अच्छी फॉर्म में हैं। ऐसे में राहुल और बुमराह के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। दिल्ली कैपिटल्स का इस सत्र में अपने घरेलू मैदान पर यह पहला मैच होगा। उसने अपने पहले दो घरेलू मैच विशाखापट्टनम में खेले थे। कोटला की पिच में पिछले कुछ समय से ढेरों रन बनते रहे हैं और दिल्ली का वर्तमान टीम प्रबंधन इस तरह की पिच नहीं चाहेगा।

टीम इस प्रकार हैं: मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), जसप्रित बुमरा, सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, रयान रिकेलटन, दीपक चाहर, अल्लाह गजनफर, विल जैक, अश्विनी कुमार, मिशेल सेंटनर, रीस टॉपले, कृष्णन श्रीजीत, राज अंगद बावा, सत्यनारायण राजू, बेवोन जैकब्स, अर्जुन तेंदुलकर, लिज़ाद विलियम्स, विग्नेश पुथुर।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), फाफ डु प्लेसी, करुण नायर, समीर रिजवी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आशुतोष शर्मा, केएल राहुल, अभिषेक पोरेल, डोनोवन फरेरा, ट्रिस्टन स्टब्स, माधव तिवारी, त्रिपुराना विजय, मनवंत कुमार, विप्रज निगम, अजय मंडल, दर्शन नालकंडे, मुकेश कुमार, मोहित शर्मा, टी नटराजन, मिशेल स्टार्क, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव। मैच शाम 7:30 पर शुरू होगा।

गिल-सुदर्शन की फिफ्टी बेकार, लखनऊ में आया पूरन का तूफान; धमाकेदार जीत से सबके उड़ाए होश

गुजरात टाइटंस द्वारा मिले 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स ने 6 विकेट से जीत दर्ज की. ऐडन मार्क्रम (58), निकोलस पूरन (61) ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली.

लखनऊ, एजेंसी | ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस को 6 विकेट से हराया. ऐडन मार्क्रम (58) और निकोलस पूरन (61) ने विस्फोटक पारी खेलकर लखनऊ की जीत एकतरफा बना दी थी लेकिन मैच अंतिम पलों में रोमांचक हो गया. लखनऊ को अंतिम ओवर में जीत के लिए 6 रन चाहिए थे. पहली गेंद पर अब्दुल समद ने सिंगल लेकर आयुष बडोनी को स्ट्राइक दी. बडोनी ने दूसरी गेंद पर शानदार चौका मारकर स्कोर बराबर किया. तीसरी गेंद पर बडोनी ने छक्का मारकर लखनऊ को 6 विकेट से जीत दिलाई.

181 रनों का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए पारी की शुरुआत कप्तान ऋषभ पंत और ऐडन मार्क्रम ने की. दोनों ने ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई, हालांकि इसमें गुजरात की खराब फील्डिंग का भी योगदान रहा. पंत और मार्क्रम ने बिना विकेट गंवाए पॉवरप्ले में 61 रन बनाए. 7वें ओवर की दूसरी गेंद पर पंत एक बड़ा शॉट मारने के चक्कर में कैच आउट हो गए, उन्होंने 18 गेंदों में 21 रन बनाए.

ऐडन मार्क्रम ने इसके बाद भी ताबड़तोड़ पारी जारी रखी और जब वह आउट हुए तब लखनऊ सुपर जायंट्स बहुत मजबूत स्थिति में पहुंच गई थी. मार्क्रम 12वें ओवर की पहली गेंद पर कैच आउट हुए, उन्होंने 31 गेंदों में ताबड़तोड़ अंदाज में 58 रन बनाए. इस पारी में उन्होंने 1 छक्का और 9 चौके जड़े. जब मार्क्रम आउट हुए तब लखनऊ को जीत के लिए 53 गेंदों में 58 रन चाहिए थे.

निकोलस पूरन की विस्फोटक पारी ने एकतरफा किया मैच

तीसरे नंबर पर आए निकोलस पूरन भी गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों पर जमकर बरसे. उन्होंने 13वें ओवर की चौथी गेंद पर चौका मारकर अपना 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. इसी के साथ उन्होंने अपनी ऑरेंज कैप भी वापस हासिल की, जो पहली पारी के बाद साई सुदर्शन के पास पहुंच गई थी.

निकोलस पूरन ने 34 गेंदों में 61 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, इस पारी में उन्होंने 7 छक्के और 1 चौका जड़ा. वह रशीद खान द्वारा डाली गई 16वें ओवर की दूसरी गेंद पर कैच आउट हुए, इस समय टीम का स्कोर 155/3 था और जीत के लिए 26 रन चाहिए थे.

गिल-साई की शतकीय साझेदारी बेकार

इससे पहले गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 180 रन बनाए थे, हालांकि जिस तरह शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने शुरुआत दिलाई थी उससे स्कोर कम से कम 210 तक जाना चाहिए थे. गिल (60) और सुदर्शन (56) ने पहले विकेट के लिए 120 रन जोड़े थे. गुजरात का मिडिल आर्डर फ्लॉप रहा और अंतिम 8 ओवरों में गुजरात टीम सिर्फ 60 रन ही बना पाई.

व्यापार

डोनाल्ड ट्रंप की चाल में फंस गया चीन! रूस की तरह जिनपिंग के देश को भी बर्बाद कर देगा अमेरिका ?

चीन के पास 2024 के अंत तक 10.2 ट्रिलियन की विदेशी संपत्ति थी. भारतीय रुपये में ये करीब 850 लाख करोड़ रुपये होगी. जिसमें से 3.2 ट्रिलियन डॉलर फॉरेक्स रिजर्व है.

नई दिल्ली, एजेंसी | अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ सख्तियों की वजह से चीन की आर्थिक स्थिति अब खराब हो रही है. खुद शी जिनपिंग के देश के बड़े-बड़े अर्थशास्त्री अब इस बात से चिंता में हैं कि आने वाले समय में चीन की क्या स्थिति होने वाली है. सबसे बड़ी बात कि अगर अमेरिका ने चीन की विदेशी संपत्ति जब्त की तो चीन की हालत रूस की तरह हो जाएगी.

क्या कहना है चीन के अर्थशास्त्री का

साउथ चाइना पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री और पूर्व सेंट्रल बैंक सलाहकार यू योंगडिंग ने अमेरिका के साथ बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच चीन की विदेशी संपत्तियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जाहिर की है. उन्होंने चीनी अधिकारियों को सतर्क रहने और संभावित नुकसान को कम करने के लिए जरूरी तैयारी करने की सलाह दी है.

अमेरिका डॉलर को हथियार बना सकता है

यू योंगडिंग ने बीजिंग में आयोजित एक फोरम में कहा, 'अमेरिका डॉलर को हथियार बना सकता है. व्यापार युद्ध तेज हो रहा है, मुझे डर है कि यह संघर्ष चीन की विदेशी संपत्तियों तक पहुंच सकता है.'

चीन के पास 2024 के अंत तक 10.2 ट्रिलियन की विदेशी संपत्ति थी. भारतीय रुपये में ये करीब 850 लाख करोड़ रुपये होगी. जिसमें से 3.2 ट्रिलियन डॉलर फॉरेक्स रिजर्व है. इसमें से ज्यादातर अमेरिकी डॉलर में है. हालांकि, चीन पिछले कुछ सालों में अमेरिकी ट्रेजरी बिल्स की होल्डिंग्स घटा रहा है. 2017 के बाद से चीन ने करीब 25 फीसदी अमेरिकी बॉन्ड्स कम किए हैं.

रूस की तरह चीन के साथ भी हो सकता है

यू योंगडिंग ने चेतावनी दी कि अमेरिका ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद जिस तरह से रूसी संपत्तियों को जब्त किया, उससे सबक लेते हुए चीन को सतर्क रहना चाहिए. उन्होंने कहा, 'हमें तैयार रहना चाहिए और ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में होने वाले नुकसान को कम किया जा सके.'

'मार-ए-लागो एकॉर्ड' से भी खतरा?

यू ने 'मार-ए-लागो एकॉर्ड' नाम के एक हाइपोथेटिकल प्लान पर भी चिंता जताई, जिसमें अमेरिका विदेशी कर्जदारों के डॉलर-डिनॉमिनेटेड कर्ज को 100 साल के बॉन्ड्स में बदल सकता है. यू के मुताबिक, 'यह एक तरह से डिफॉल्ट होगा, जो चीन के लिए बड़ा खतरा बन सकता है.'

चीन और अमेरिका के बीच टकराव अब व्यापार से आगे बढ़कर वित्तीय क्षेत्र में पहुंच सकता है. चीन के विदेशी संपत्तियों, खासकर अमेरिकी डॉलर में रखे गए फंड्स को लेकर चिंता बढ़ रही है. विशेषज्ञों का मानना है कि चीन को अपनी अर्थव्यवस्था को और मजबूत बनाने के साथ-साथ अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करनी होगी.

RBI का बड़ा ऐलान, बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए डाले जाएंगे 40 हजार करोड़ रुपये कैश

बैंकिंग सिस्टम में 40 हजार करोड़ रुपये इन्फ्यूज करने के लिए आरबीआई 17 अप्रैल को अलग-अलग परिपक्वता अवधि वाली सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदेगा.

नई दिल्ली, एजेंसी | भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि वह 17 अप्रैल को अलग-अलग परिपक्वता अवधि वाली सरकारी प्रतिभूतियां खरीदेगा, जिनकी कुल कीमत 40,000 करोड़ रुपये होगी. बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी बढ़ाने के मकसद से चालू वित्त वर्ष में रिजर्व बैंक द्वारा प्रतिभूतियों की यह तीसरी ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) खरीद होगी. 20,000 करोड़ रुपये की पहली खरीद 3 अप्रैल को की गई थी, जबकि इतनी ही राशि की दूसरी खरीद 8 अप्रैल को की गई थी.

RBI ने बैंकिंग सिस्टम में डाले करीब 7 लाख करोड़

आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि जनवरी 2025 से अब तक रिजर्व बैंक ने बैंकिंग सिस्टम में करीब 7 लाख करोड़ रुपये डाले हैं. लिक्विडिटी बढ़ाने के साथ ही रिजर्व बैंक ने फरवरी और अप्रैल में दो बार रेपो रेट में कटौती भी की. इसके चलते बैंक और NBFCs के लोन पर इंटरेस्ट रेट कम हुआ है. बता दें कि बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी को बढ़ाने के लिए आरबीआई ओपन मार्केट ऑपरेशन (OMO),डॉलर-रुपया स्वैप और वेरिएबल रेपो रेट (VRR) जैसे कई तरीके अपनाता है.

क्या है ओपन मार्केट ऑपरेशन?

इस पॉलिसी के तहत आरबीआई मनी सप्लाई को कंट्रोल करने के लिए बॉन्ड, सिक्योरिटीज जैसे सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदती है या बेचती है. बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी को बढ़ाने और अर्थव्यस्था को बढ़ावा देने के लिए आरबीआई सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदती है, जिससे बैंक के पास पैसा आता है. बैंक अधिक कर्ज देने के लिए प्रोत्साहित होंगे. इससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा.

इसी तरह से इकोनॉमी में एक्सेस लिक्विडिटी को कम करने के लिए आरबीआई सरकारी प्रतिभूतियों को बेच देता है, जिससे बैंकों के पास लोन देने की कैपेसिटी कम हो जाएगी और इस तरह से मार्केट में पैसा कम पहुंचेगा. ओपन मार्केट ऑपरेशन एक ऐसा टूल है, जिसका इस्तेमाल केंद्रीय बैंक महंगाई, ब्याज दरों और मुद्रा की आपूर्ति को नियंत्रित करने के लिए करती है.

क्या अगले हफ्ते 1 लाख रुपये तक पहुंच जाएगी सोने की कीमत या इसमें आएगी गिरावट? जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

पिछले कुछ महीनों से सोने की कीमतें बढ़ती जा रही है. इसके पीछे वजह अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड वॉर का बढ़ता तनाव है. अब सवाल यह आता है कि क्या इस साल सोने की कीमत 1 लाख रुपये तक पहुंच जाएगी?

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत में सोने की कीमतें आसमान छू रही हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के चलते लोग सुरक्षित निवेश की तलाश में सोने का रूख कर रहे हैं. इसी बीच, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 93,000 रुपये के लेवल को पार कर गई है. अमेरिका और चीन के बीच छिड़ी ट्रेड वॉर के चलते पैदा हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता की स्थिति, केंद्रीय बैंक की सोने की खरीद और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों की वजह से सोने की कीमतें बढ़ रही हैं. इन्हीं सबके बीच अब लोगों के मन में सवाल आ रहा है कि क्या 2025 में 10 ग्राम सोने की कीमत 1 लाख रुपये तक पहुंच जाएगी?

बिजनेसटुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, स्प्रोट एसेट मैनेजमेंट के वरिष्ठ पोर्टफोलियो मैनेजर रयान मैकइंटायर का कहना है कि केंद्रीय बैंकों की सोने की खरीद और विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आक्रामक टैरिफ पॉलिसी की वजह से सोने को मजबूती मिल रही है.

भारत में सभी कैटेगरीज में सोने की कीमतें बढ़ी हैं-

24 कैरेट सोना: 93,390 रुपये प्रति 10 ग्राम
22 कैरेट सोना: 85,610 रुपये प्रति 10 ग्राम
18 कैरेट सोना: 70,050 रुपये प्रति 10 ग्राम

वैश्विक स्तर पर हाजिर सोने की कीमतें पहली बार 3,200 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई हैं, जबकि अमेरिकी सोने का वायदा भाव इससे भी अधिक 3,237.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है. अकेले 2025 में सोना 20 बार ऑल टाइम हाई के लेवल पर जा चुका है, जो महंगाई, डॉलर की कमजोरी और केंद्रीय बैंक की नीति में बदलाव की आशंकाओं के बीच मजबूत वैश्विक मांग को दर्शाता है.

क्या 1 लाख तक पहुंचेगा सोना?

कामा ज्वेलरी के एमडी कॉलिन शाह का मानना है कि इसकी पूरी संभावना है. उन्होंने द हिंदू बिजनेसलाइन को बताया कि 2025 में अमेरिकी फेड द्वारा दो बार ब्याज दरों में कटौती किए जाने की उम्मीद है, इसके चलते सोना 1 लाख प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है. कॉलिन शाह का कहना है कि अनिश्चितता के इस माहौल में लोग सोने में जमकर निवेश कर रहे हैं.

वहीं, मोतीलाल ओसवाल के कमोडिटी हेड किशोर नारने का मानना है कि इसकी कीमतें 4,000 से 4,500 डॉलर प्रति औंस तक भी जा सकती हैं. जबकि, अबांस फाइनेंशियल सर्विसेज के CEO चिंतन मेहता का मानना है कि सोने की कीमत 1 लाख रुपये पहुंचने की संभावना कम है, क्योंकि इसके लिए ज्यादातर पॉजिटिव फैक्टर्स पहले ही बाजार में दिख चुके हैं और अब इसके और बढ़ने की संभावना नहीं है. इस बीच, मॉर्निंगस्टार के स्ट्रैटेजिस्ट जॉन मिल्स ने और भी अधिक सतर्क रुख अपनाया है. उन्होंने कहा कि सोने की कीमतों में भारी गिरावट के साथ यह 1,820 डॉलर प्रति औंस पर आ गई है, जिसका मतलब है कि मौजूदा स्तरों से 38-40 परसेंट तक की गिरावट आ सकती है.

कछुए की पीठ की तरह हो जाएगी धरती! भीषण गर्मी से जुड़ीं विष्णु पुराण की 5 भविष्यवाणियां

दिल्ली सहित उत्तर भारत में गर्मी का प्रकोप बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। गर्मी का पारा जिस तरह से ऊपर उठता दिख रहा है, उसे देखते हुए आम लोग अंदाजा लगा चुके हैं कि आगे आने वाले दिन कितने गर्म हो सकते हैं। अप्रैल के महीने में ही लोगों को मई-जून की भीषण गर्मी का डर सता रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने भी गुजरात, पश्चिमी राजस्थान और हरियाणा गुजरात में गंभीर गर्मी की स्थिति को देखते अप्रैल महीने में ही अब तक का अधिकतम तापमान दर्ज किया है। गर्मी की स्थिति को अगर धार्मिक दृष्टिकोण से समझने की कोशिश करें, तो विष्णु पुराण में गर्मी के बारे में कुछ भविष्यवाणियां भी की गई हैं। आइए, जानते हैं विष्णु पुराण में गर्मी के बारे में की गईं भविष्यवाणियां। विष्णु पुराण के अनुसार समय की गणना धरती और देवलोक में अलग-अलग तरह से होती है। धरती पर 12 महीने का एक साल होता है लेकिन देवलोक में दिन-रात 12 महीने के बराबर होते हैं। देवताओं का एक साल 360 वर्षों का होता है। 12,000 दिव्य वर्षों का एक चतुर्युग होता है इसलिए धरती पर मौसम हर महीने बदलता है लेकिन देवलोक में ये बदलाव सदियों बाद होते हैं। ये बदलाव किसी खास घटना का संकेत देते हैं। इस कारण भीषण गर्मी को सीधे-सीधे कलियुग से भी जोड़कर देखा जाता है। विष्णु पुराण में बताया गया है कि एक चतुर्युग के खत्म होने पर पृथ्वी कमजोर हो जाती है। 100 सालों तक सूखा पड़ता है। इसका असर पूरी दुनिया पर नजर आता है। धरती की उर्वरक क्षमता समाप्त होने लग जाती है। फसलें बर्बाद हो जाती हैं। पूरी धरती इस तरह से बंजर नजर आने लगती है कि कहीं भी हरियाली नजर नहीं आती है। लोग जिंदा होते हुए भी मुर्दे जैसे हो जाते हैं। गर्मी से हर तरफ सूखा ही सूखा नजर आता है। पानी की कमी से त्वचा भी सूखने लग जाती है। गर्मी से जुड़ीं विष्णु पुराण की भविष्यवाणी के अनुसार गर्मी का प्रकोप धरती पर इस तरह से पड़ेगा कि धरती पर मौजूद जलाशय नदियां, तालाब और कुएं सूखने लग जाएंगे। धरती पर पानी की कमी तपती धूप का और भी एहसास कराएगी। भीषण गर्मी के बीच लोग प्यास से भी तड़प रहे होंगे। पानी किसी मूल्यवान वस्तु की तरह हो जाएगा। जिसके पास भी पानी होगा, उसे धनवान समझा जाएगा। विष्णु पुराण में भविष्यवाणी की गई है कि कलियुग में मौसम की मार अनगिनत लोगों की मृत्यु का कारण बनेगी। गर्मी के दिन लोगों को आग की तरह लगेंगे। सूर्य इस तरह से आसमान से आग उगलेगा कि लोगों को महसूस होगा कि वे नरक की आग में जल रहे हैं। धरती गर्मी और पानी की कमी से कछुए की पीठ की तरह खुदरी हो जाएगी। विष्णु पुराण में भीषण गर्मी के प्रकोप को धरती पर जीवन के अंत से जोड़कर देखा जा रहा है। विष्णु पुराण की भविष्यवाणी के अनुसार भीषण गर्मी कलियुग की चरम सीमा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव भी होगा। भगवान विष्णु सूर्यदेव को असीम शक्तियां प्रदान करेंगे, जिससे कि सूर्य की सातों किरणें और भी शक्तिशाली हो जाएंगी। सूर्य की सातों किरण असीम उष्मा से इतनी ज्यादा भर जाएंगी कि पूरी दुनिया नदी, पहाड़, वन सब सपाट होकर समाप्त हो जाएंगे। इस तरह भीषण गर्मी एक युग की समाप्ति करेगी और इससे धरती का अंत भी होगा।

बाथरूम में नीली बाल्टी रखने के ये फायदे जानकर आप भी जरूर करेंगे ये काम

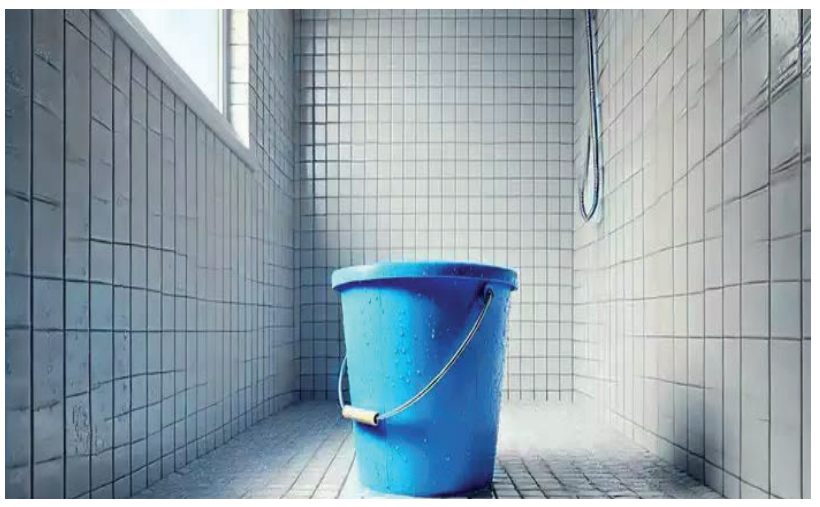

बाथरूम में नीले रंग की बाल्टी का प्रयोग करना बहुत ही शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र में बताया गया नीले रंग की बाल्टी सकारात्मकता का प्रतीक मानी जाती है। नीला रंग जल तत्व को दर्शाता है और साथ ही यह रंग आकाशीय तत्वों का भी प्रतीक माना जाता है। वास्तु में बताया गया है कि अगर आप अपने बाथरूम में नीले रंग की बाल्टी का प्रयोग करते हैं और आपके बाथरूम से जुड़े वास्तु दोष भी कम होते हैं और साथ ही उनका नकारात्मक प्रभाव कम होता है। तो आइए आपको बताते हैं बाथरूम में नीले रंग की बाल्टी रखने से क्या फायदे होते हैं। नीले रंग जल तत्व का प्रतीक होता है। बाथरूम वैसे भी जल से जुड़ी जगह होती है, इसलिए वहां नीली बाल्टी रखने से ऊर्जा संतुलित रहती है और मन को शांति मिलती है। माना जाता है कि बाथरूम में नीली बाल्टी रखने से आपको सकारात्मकता का अहसास होता है और आप अपने दिन का शुभारंभ बेहतर ढंग से कर पाते हैं। नीला रंग मन को शांत करता है। अगर आप थकान या तनाव में रहते हैं तो नीली बाल्टी बाथरूम में रखना मानसिक सुकून देने में मदद कर सकता है। कहा जाता है कि नीले रंग की बाल्टी से स्नान करने से आपकी दिन भर की थकान दूर हो जाती है और आपके मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है। वास्तु के अनुसार, नीला रंग बाथरूम की नकारात्मक ऊर्जा को खींच कर उसे कम करता है। इससे घर के बाकी हिस्सों में पॉजिटिव वाइब्स बनी रहती हैं। माना जाता है कि अगर आपके बाथरूम में किसी कारण से वास्तु दोष हैं तो भी जो नीले रंग की बाल्टी के प्रयोग से ये दोष दूर होते हैं और आपके परिवार में सुख शांति बढ़ती है। कभी-कभी बाथरूम की गलत दिशा की वजह से राहु-केतु या शनि जैसे ग्रहों का असर होता है। नीली बाल्टी उन नकारात्मक प्रभावों को थोड़ा कम कर सकती है। नीली बाल्टी के अलावा आप अपने बाथरूम के कोने में कटोरी में नमक या फिर फिटकरी भरके रखें और समय-समय पर उसे बदलते रहें। ऐसा करने से भी ग्रहों के अशुभ प्रभाव कम होते हैं। घर में शांति और समृद्धि बनाए रखने में मददनीली बाल्टी रखने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और पारिवारिक संबंध अच्छे बने रहते हैं। वास्तु में यह भी बताया गया है कि बाथरूम में नीली बाल्टी रखने से आपसी रिश्तों में सकारात्मकता बनी रहती है और घर से नकारात्मक शक्तियों का अंत होता है। आपके मन में सकारात्मक ऊर्जा और परिवार में आपसी प्रेम बढ़ता है।

हनुमान जी आपसे बहुत प्रसन्न हैं, इन विशेष संकेतों से पहचानें

12 अप्रैल को हनुमान जयंती है। हनुमान जयंती पर बजरंगबली की विशेष रूप से स्तुति के जाती है। रामायण सहित कई पुराण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि जहां भी श्रीराम का नाम लिया जाता है, वहां पर हनुमान जी हमेशा ही विराजमान रहते हैं। रामायण में इस बात का भी उल्लेख किया गया है कि हनुमान जी को चिरंजीवी होने का वरदान मिला है इसलिए हनुमान जी हर युग में उस जगह विराजमान रहेंगे, जहां पर श्रीराम का नाम लिया जाएगा। श्रीराम भक्तों पर हनुमान जी विशेष कृपा बनाए रखते हैं। वहीं, अगर आप हनुमान जी के भक्त हैं और हमेशा उन्हें सच्चे मन से याद करते हैं, तो हनुमान जी आपका साथ कभी नहीं छोड़ते। कुछ विशेष संकेतों से पता चलता है कि हनुमान जी की आप पर विशेष कृपा है। हनुमान जी के जीवन से यह शिक्षा मिलती है कि वे महाबलशाली होकर भी दयालु और नेकदिल हैं। हनुमान जी कभी भी शक्ति प्रदर्शन नहीं करते बल्कि जरुरत पड़ने पर ही अपनी शक्तियां दिखाते हैं। इसी तरह अगर आप भी निर्भीक, साहसी और शक्तिशाली होकर भी आप नेक न्यायप्रिय और विनम्र हैं, तो निश्चित ही आपसे हनुमानजी प्रसन्न हैं। जैसे, आप एक अच्छे लीडर, सैनिक, पुलिस या उच्चपदासिन अधिकारी होकर भी विनम्र और सच्चे हैं तो हनुमानजी की आप पर कृपा बनी रहेगी। ज्योतिष शास्त्र में शनि को सबसे धीमा ग्रह माना जाता है। शनि मेष से लेकर मीन तक 12 राशियों में अपना गोचर चक्र पूरा करते हैं। इसका अर्थ यह है कि शनि ढ़ाई वर्ष तक ही राशि में रहते हैं। शनि जिस भी राशि में रहते हैं, एक आगे और एक पीछे राशि पर भी शनि का प्रकोप बना रहता है लेकिन हनुमान जी की कृपा पाए लोग शनि पीड़ा से हमेशा बचे रहते हैं। इसका अर्थ यह है कि शनिदेव की साढ़ेसाती और ढैय्या का नकारात्मक प्रभाव भी हनुमान जी के भक्तों पर नहीं पड़ता। हम सभी के जीवन में कोई न कोई बाधा जरूर आती है लेकिन अगर आप बड़ी-बड़ी बाधाओं से भी चमत्कारी रूप से निकल जाते हैं, तो आपको समझ जाना चाहिए कि हनुमान जी अदृश्य रूप में भी हमेशा आपकी मदद कर रहे हैं। हनुमान जी संकट के समय में हमेशा अपने भक्तों की रक्षा करते हैं, इसलिए हनुमान जी को संकटमोचक हनुमान कहा जाता है। रामायण कथा के अनुसार हनुमान जी केवल अपने भक्तों पर ही नहीं बल्कि रामभक्तों पर भी कृपा बनाए रखते हैं इसलिए अगर आपको सपने में श्रीराम या हनुमान जी नजर आते हैं, तो यह बड़ा संकेत है कि हनुमान जी आपसे बहुत प्रसन्न हैं। साथ ही सपने में हनुमान जी से जुड़ीं चीजें जैसे, मंदिर, बूंदी, रामायण पाठ या भजन-कीर्तन को देखना भी हनुमान जी के प्रसन्न होने का बड़ा संकेत है। भागती-दौड़ती जिंदगी में हर व्यक्ति समय से आगे निकलने की कोशिश करता है लेकिन यह हमेशा मुमकिन नहीं हो पाता कि हम समय के अनुसार हर काम कर लें। ऐसे में कई बार योजना बनाने पर भी हम धार्मिक कार्यक्रम का हिस्सा नहीं बन पाते लेकिन हनुमान जी की कृपा पाने पर व्यक्ति बिना किसी योजना बनाए हमेशा रामायण पाठ और हनुमान जी के भजन कीर्तन में पहुंच ही जाता है।

आर्थिक राशिफल : हस्त नक्षत्र में बना है रवि योग, मां लक्ष्मी इन 5 राशियों पर होंगी मेहरबान, पाएंगे धन संपत्ति

मेष राशि के लोगों का दिन अच्छा है और आप काफी बेहतर महसूस करेंगे। आपके अंदर आत्मविश्वास भरा रहेगा। आपकी अच्छाई से लोग खुश रहेंगे। ऑफिस में कुछ बदलाव हो सकते हैं जिससे कुछ सहकर्मी नाराज हो सकते हैं, लेकिन आपकी समझदारी से सब कुछ ठीक हो जाएगा। आप अपने अच्छे व्यवहार से लोगों का दिल जीत लेंगे। रात में पत्नी की तबीयत को लेकर थोड़े से चिंतित हो सकते हैं, लेकिन सब कुछ ही सही हो जाएगा।

वृषभ राशि के लोगों के लिए दिन करियर के मामले में बहुत ही अच्छा साबित हो सकता है। आप परिवार के लोगों के साथ मिलकर कोई नई पहल कर सकते हैं। आपको दोपहर में कोई खुशखबरी मिल सकती है जो आपके चेहरे पर मुस्कान लाएगी। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सतर्क रहें। शाम को कोई खास मेहमान आ सकता है जिससे घर का माहौल और अच्छा हो जाएगा। रात को किसी शादी या कार्यक्रम में जाने से आपकी पहचान बढ़ेगी, लेकिन साथ ही खर्च भी बढ़ेगा।

मिथुन राशि के लोगों के लिए करियर के मामले में दिन खास हो सकता है और आपको पिता के आशीर्वाद से हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी। ऑफिस में आपको सीनियर्स से हर प्रकार का सपोर्ट मिलेगा। कोई कीमती चीज़ या प्रॉपर्टी मिलने का योग बन रहा है। दिनभर बहुत काम रहेगा लेकिन खर्चों पर कंट्रोल रखना ज़रूरी है। शाम के समय वाहन सावधानी से चलाएं। कोई बड़ा खास व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है, जिससे संबंध रखना आपके लिए भी काफी फायदेमंद रहेगा।

कर्क राशि वालों के लिए तरक्की के शुभ योग बन रहे हैं, आपको अचानक से कहीं से पैसा मिल सकता है, जिससे मन खुश हो जाएगा। काम से जुड़े नए आइडिया आपको मिल सकते हैं और आगे चलकर ये सफल भी साबित होंगे। समाज में आपकी इज्जत बढ़ेगी। अगर आप कोई फैसला बहुत जल्दी या भावुक होकर लेंगे तो बाद में पछताना पड़ सकता है। शाम को मंदिर या धार्मिक स्थल जाना अच्छा रहेगा, मन को शांति मिलेगी।

सिंह राशि के लोगों की ग्रहदशा शुभ है और आपको कारोबार में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। राजनीति या सामाजिक कार्य में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपको धन सम्मान के मामले में लाभ होगा। कारोबार में आपको बड़ी सफलता मिल सकती है। बच्चे से जुड़ी कोई चिंता दूर होगी। कोई रुका हुआ काम पूरा होने से राहत मिलेगी। सेहत के मामले में ध्यान रखें और खाना समय पर खाएं और आंखों की तकलीफ से बचें। शाम को दोस्तों या परिवार के साथ हंसी-खुशी में समय बीतेगा।

कन्या राशि वालों का भाग्य साथ दे रहा है और आपका काम तेजी से आगे बढ़ेगा। आपको बड़ा फायदा होने की उम्मीद है। आपके परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और कोई अच्छा काम हो सकता है। कोई रचनात्मक काम करने का मन बनेगा। अगर कुछ उल्टा-पुल्टा हो तो गुस्से से बचें। सरकार या किसी अधिकारी से मदद मिल सकती है। शाम को अचानक कोई फायदा मिल सकता है। पैसों को संभालकर खर्च करें।

तुला राशि वालों का दिन शुभ है। छात्रों को पढ़ाई या किसी कॉम्पिटिशन में अच्छा रिजल्ट मिल सकता है। कमाई के नए रास्ते खुलेंगे। आप जो बोलेंगे, लोग उसे ध्यान से सुनेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। दिनभर व्यस्त रह सकते हैं, जिससे थकान महसूस होगी। मौसम का असर सेहत पर पड़ सकता है। लाइफ पार्टनर का पूरा सपोर्ट मिलेगा। यात्रा का प्लान बन सकता है जो सुखद रहेगा और आप बजट में रहते हुए यात्रा का मजा लेंगे।

वृश्चिक राशि वालों के लिए पैसे की स्थिति मजबूत रहेगी और इज्जत भी बढ़ेगी। आपक काफी समय से अटका कोई काम पूरा हो सकता है। पुराने दोस्तों या रिश्तेदारों से मुलाकात हो सकती है और इसके बाद आप खुद को काफी रिफ्रैश महसूस करेंगे। अगर आप गुस्से में कुछ बोल देंगे तो बात बिगड़ सकती है, इसलिए शब्दों का ध्यान रखें। रात को मौज-मस्ती और घूमने का अच्छा मौका मिलेगा।

धनु राशि के लोगों का दिन सामान्य है और आपका घर के काम पर काफी पैसा खर्च हो सकता है। इससे आपका बजट बिगड़ सकता है। सुख-सुविधाओं में इजाफा होगा। किसी रिश्तेदार या कर्मचारी से टेंशन हो सकता है। पैसों का लेन-देन बहुत सोचसमझकर करें। कोर्ट या किसी सरकारी काम में थोड़ी भागदौड़ होगी लेकिन जीत आपकी होगी। जो लोग आपके खिलाफ हैं, वो सफल नहीं होंगे। आपके धन में वृद्धि के योग हैं।

मकर राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है और आपको बिजनस में बढ़िया मुनाफा हो सकता है। पैसे की स्थिति बेहतर होगी। आप कोई नया काम शुरू करने का सोच सकते हैं। प्रतियोगिता में अच्छे रिजल्ट आएंगे और घर की जिम्मेदारियां भी अच्छी तरह निभाएंगे। घर का कोई जरूरी सामान लाने में आपका धन खर्च हो सकता है। शाम को धार्मिक स्थान पर जाने का मन बनेगा लेकिन यात्रा टल सकती है। वाहन सावधानी से चलाएं।

कुंभ राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा और आपकी धन से जुड़ी योजनाएं आरंभ हो सकती हैं। आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी और आपको कारोबार में किस्मत का साथ मिलेगा। पत्नी की तबीयत अचानक खराब हो सकती है, जिससे भागदौड़ और खर्च बढ़ सकता है। अगर आप कोई प्रॉपर्टी खरीदने का सोच रहे हैं तो कागजों की जांच अच्छे से करें। शाम तक तबीयत में कुछ सुधार आएगा, लेकिन पूरी तरह ठीक होने में थोड़ा समय लगेगा।

मीन राशि के लोगों का दिन शुभ है। आपको घूमने-फिरने का मौका मिलेगा, चाहे पास ही क्यों न हो। बिजनस में तेजी आएगी और आप खुश रहेंगे। जो छात्र हैं उन्हें पढ़ाई का तनाव कम लगेगा। शाम को किसी खास बात की जानकारी मिल सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए बहुत फायदेमंद रहेगा। आपके रुके कार्य पूर्ण होने से खुशी होगी और मान सम्मान में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा।

हस्तरेखा, जिनकी हथेली के बीचोंबीच होता है मिस्टिकल क्रॉस का निशान, राजा जैसा जीवन बिताते हैं ऐसे लोग

हथेली के बिलकुल बीच में अगर स्पष्ट और बड़ा क्रॉस बना हो तो ऐसे निशान को मिस्टिकल क्रॉस कहते हैं। हस्तरेखा में इस निशान को बहुत ही अद्भुत और लकी माना जाता है और जिन लोगों के हाथ में यह निशान होता है वे अपनी लाइफ में बहुत पैसा कमाते हैं। इनका जीवन राजाओं जैसा बीतता है और इन्हें सुख-सुविधाओं की कभी कोई कमी नहीं होती। अपने जीवन में इन्हें हर चीज बड़ी आसानी से और कम मेहनत में ही मिल जाती है और कम उम्र में ही ऐसे लोगों को घर और गाड़ी सब मिल जाता है। आइए जानते हैं मिस्टिकल क्रॉस से जुड़ी खास बातें और उनका अर्थ। इस तरह का क्रॉस दर्शाता है कि व्यक्ति को जीवन में कभी न कभी अचानक बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होती है। चाहे वह नौकरी में तरक्की से हो, बिजनस से, या फिर किस्मत से। ऐसे लोगों की लॉटरी भी लगती है और उन्हें ससुराल के साथ पैतृक संपत्ति से भी बड़ा फायदा होता है। ऐसे लोगों में अंदरूनी शक्ति और दृढ़ संकल्प होता है। ये लोग कई बार खुद भी नहीं जानते कि उनमें कितनी क्षमता है, लेकिन सही समय पर वो उभरकर सामने आती है। ऐसे लोग अपने जीवन में कम प्रयासों में ही बड़ी सफलता हासिल करते हैं और उनका व्यक्तित्व भी बेहद प्रभावशाली होता है। ऐसे चिन्ह वाले लोग शुरुआती जीवन में संघर्ष झेलते हैं, लेकिन धीरे-धीरे उनकी किस्मत चमकती है और वे धन, नाम और सम्मान प्राप्त करते हैं। ऐसे लोगों का वैवाहिक जीवन भी बहुत शानदार होता है और वे हर तरह का सुख पाते हैं। इनकी जिंदगी में ऐसे फैसले होते हैं जो अचानक बड़े फायदे लेकर आते हैं , जैसे सही समय पर किया गया निवेश या सही जगह नौकरी। ऐसे लोगों का कारोबार भी बड़े ही कम समय में स्थापित हो जाता है और खूब कमाई करते हैं। अगर क्रॉस साफ-सुथरा, गहरा और अकेला है, तो यह शुभ फल देता है अगर क्रॉस बहुत सारी रेखाओं से घिरा हो या टूटा-फूटा हो, तो यह संघर्ष या उलझनों का संकेत देता है।

पुलिस ने एक मुफ्त यात्रा योजना शुरू की

सतना। बढ़ते हुए अपराधों को देखते हुए पुलिस ने एक मुफ्त यात्रा योजना शुरू की है पिछले बुधवार से, जहां कोई भी महिला जो अकेली है और उसे रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच घर जाने के लिए वाहन नहीं मिल रहा हो , वह पुलिस हेल्पलाइन नंबर (1091,100 और 7837018555) पर संपर्क कर सकती है और वाहन का अनुरोध कर सकती है। वे 24×7 घंटे काम करेंगे. कंट्रोल रूम का वाहन या नजदीकी पीसीआर वाहन/एसएचओ वाहन उसे सुरक्षित उसके गंतव्य तक पहुंचाएगा. यह निःशुल्क किया जाएगा। इस संदेश को अपने जानने वाले सभी लोगों तक पहुंचाएं अपनी पत्नी, बेटियों, बहनों, माताओं, दोस्तों और उन सभी महिलाओं को नंबर भेजें जिन्हें आप जानते हैं .. उन्हें इसे सहेजने के लिए कहें .. सभी पुरुष कृपया उन सभी महिलाओं के साथ साझा करें जिन्हें आप जानते है आपातकालीन स्थिति में महिलाएं खाली संदेश या मिस्ड कॉल कर सकती हैं .. ताकि पुलिस आपका स्थान ढूंढ सके और आपकी मदद कर सके ।

दिनभर धूल डस्ट से परेशान व्यापारी

धूल से परेशान व्यापारी सड़कों में लगवा रहे झाड़ू

» धूल के गुब्बारों से जीना मुश्किल हो गया

बिरसिंहपुर पाली

(दीपू त्रिपाठी) नवरात्र के दौरान सड़कों की मरम्मत के नाम पर सड़कों में प्रशासन द्वारा डस्ट और बजरी डलवाई गई थी जो सड़क किनारे रहने वाले स्थानीयजनों व्यापारियों सहित आमजन के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है।

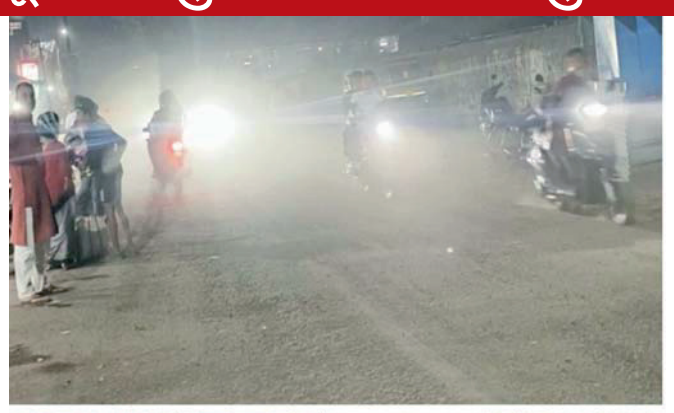

दिनभर धूल डस्ट से परेशान व्यापारियों ने अब धूल डस्ट से मुक्ति पाने के लिए स्वयं के व्यय पर मजदूरों से सड़कों में झाड़ू लगवाकर धूल उठवा रहे है। व्यापारियों का कहना है कि नवरात्र पर्व पर सड़कों की गड्ढों को देखते हुए नगर पालिका के द्वारा क्रेशर डस्ट और बजरी डलवाई गई थी जिसके कारण बेतहाशा धूल उड़ने लगी थी। धूल के गुब्बारों से जीना मुश्किल हो गया है जिससे मद्देनजर अपनी अपनी दुकानों के सामने मजदूर लगाकर सभी व्यापारी और स्थानीयजन धूल डस्ट हटवा रहे है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस धूल डस्ट से हम सभी के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है लेकिन समस्या देखने और सुनने वाला कोई नहीं है। पाली शहडोल मुख्य सड़क मार्ग में आलम यह है कि व्यापारी और स्थानीयजन दिनभर सड़कों में पानी सिंचाई करते देखे जा रहे है। स्थानीय जनों ने हमारे संवाददाता दीपू त्रिपाठी से बताया कि सड़क की मरम्मत के लिए कई बार स्थानीय नेताओं जनप्रतिनिधियों से आरजू मिन्नत भी की गई लेकिन उनके कानों में जू नहीं रेंगता। इसलिए अब हम खुद धूल डस्ट हटाने के लिए सड़कों पर उतरे है। गौरतलब है कि बीते महीने जिले के प्रभारी के पाली आगमन के दौरान स्थानीयजनों सहित मीडिया ने सड़कों की बदहाल हालत को लेकर प्रभारी मंत्री का ध्यानाकर्षण कराया था जहां उनके द्वारा जल्द समस्या समाधान का आश्वासन दिया गया था किंतु आज महीनों बीत जाने के बाद ठीक तरह न सड़कों की मरम्मत की गई न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। बता दें कि नौरोजाबाद तिराहे से लेकर पाली के रामपुर तक सड़कों की धज्जियां उड़ गई है जिससे आमजन बेहद परेशान हैं। बहरहाल इस समस्या से शासन प्रशासन कब तक मुक्ति दिलाता है यह देखना दिलचस्प होगा।

सरलानगर में नल जल योजना क्यों ठप? प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

मैहर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी नल जल योजना जहां देशभर में पानी की समस्या का समाधान कर रही है, वहीं मैहर का सरला नगर आज भी प्यासा है। स्थानीय निवासियों ने कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों तक अपनी आवाज़ पहुंचाई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला।युवा समाजसेवी आशीष दुबे उर्फ छोटू पंडित ने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरलानगर के लोग आखिर कब तक जल संकट से जूझते रहेंगे? उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से तत्काल पहल कर इस समस्या का समाधान निकालने की मांग की है छोटू पंडित का सीधा सवाल जब प्रधानमंत्री मोदी का सपना हर घर जल पहुंचाने का है, तो फिर सरलानगर के लोग इससे वंचित क्यों हैं? प्रशासन जवाब दे कि यह योजना यहां अब तक लागू क्यों नहीं हुई? स्थानीय लोगों का कहना है कि चुनावों के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत में ज़मीन पर कोई काम नहीं दिखता। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस अनदेखी पर ध्यान देगा या सरलानगर के लोग यूं ही पानी के लिए तरसते रहेंगे?

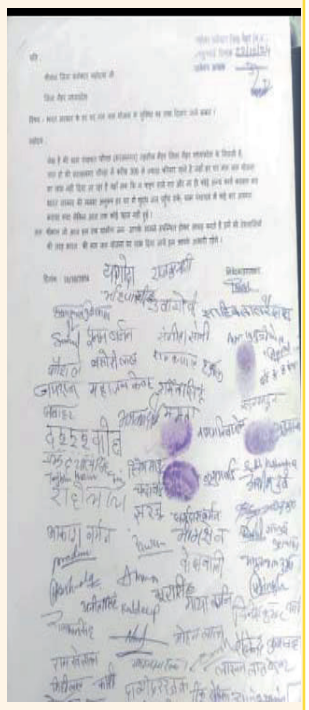

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का हो रहा आयोजन

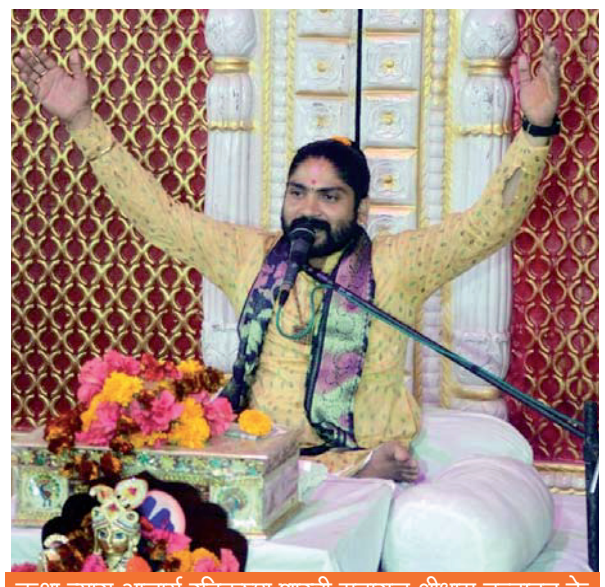

कथा व्यास आचार्य रविकृष्ण शास्त्री महाराज श्रीधाम वृन्दावन के मुखारविंद से भक्त पावन कथा का रसपान करने पहुंचते हैं

शहडोल। स्थानीय जिला मुख्यालय से लगभग 16 किलोमीटर दूर ग्राम लालपुर में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन 07 अप्रैल से 15 अप्रैल तक किया जाना सुनिश्चित हुआ है,जिसमें कथा व्यास आचार्य रविकृष्ण शास्त्री महाराज श्रीधाम वृन्दावन के मुखारविंद से भक्त पावन कथा का रसपान करने पहुंचते हैं। कथा का आयोजन दोपहर 03 बजे से हरि इच्छा तक आयोजित किया जा रहा है। साप्ताहिक कार्यक्रम में मुख्य रूप से 07 अप्रैल को गुरु आगमन एवं कलश यात्रा 08 अप्रैल को बैठकी, महात्म्य कथा एवं मंगलाचरण, 09 अप्रैल को नारद व्यास संवाद, पांडव चरित्र, सुखदेव आगमन, 10 अप्रैल को कपिल देवहुति संवाद एवं ध्रुव चरित्र, 11 अप्रैल को प्रहलाद चरित्र एवं श्री कृष्ण जन्मोत्सव, 12 अप्रैल को श्री कृष्ण बाल लीला, माखन चोरी एवं गोवर्धन पूजा, 13 अप्रैल को महारास, उद्धव चरित्र रुक्मणी विवाह, 14 अप्रैल को परीक्षित मोक्ष एवं हवन जबकि 15 अप्रैल को पूर्णाहुति, तर्पण, ब्राह्मण भोज एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाना है। उक्त संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा कार्यक्रम का आयोजन बाबूलाल गुप्ता द्वारा अपने गृह ग्राम में कराया जा रहा है। जिसमें उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों को कथा का रसपान करने हेतु आमंत्रित किया है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पतौर कोर क्षेत्र में दिखा दुर्लभ सोन कुत्ता का झुंड

शहडोल। संभाग के उमरिया जिले के विश्वप्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पतौर कोर परिक्षेत्र में शुक्रवार की सुबह दुनिया भर के जंगलों में दुर्लभ माने जाना वाला सोन कुत्ता का झुंड दिखाई दिया है जो टाइगर रिजर्व की जैव विविधता में समृद्धि के लिए बड़ा ही शुभ माना जा रहा है। सोन कुत्ता के विषय में रोचक तथ्य हैं कि दुर्लभ श्रेणी का एक वन्यप्राणी है। हमेशा झुंड में रहते है। एक स्थान पर नियत नही रहते ओर किसी टाइगर रिजर्व के समस्त जंगलों में विचरण करते

रहते है। झुंड में शिकार करते है और शिकार को जिंदा खाने लगते है। लगातार विचरण करते रहने के कारण इन्हें गिनना, पहचानना या ढूंढना मुश्किल होता है। नेशनल पार्क के संचालक अनुपम सहाय ने बताया कि विभाग के मैदानी अमले को 11 अप्रैल को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पतौर परिक्षेत्र की पनपथा बीट में फील्ड स्टाफ को गश्त के दौरान 12 की संख्या में सोनकुत्ते तालाब में पानी पीते हुए दिखाई दिए। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में दिखा दुर्लभ सोन कुत्ता का झुंड,पतौर कोर क्षेत्र में कैमरे में कैद हुए हैं। उप संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन पीके बर्मन ने बताया कि सोन कुत्ते अत्यंत दुर्लभ जीव है और किसी निश्चित स्थान पर न रहकर जंगलों में यहां वहां झुंड समेत विचरण करते रहते हैं। परिस्थितिक तंत्र में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

बस स्टैंड और महोबा रोड से अवैध कब्जा हटाया

छतरपुर। छतरपुर में गुरुवार शाम को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। बस स्टैंड क्रमांक 1 और 2, महोबा रोड और फव्वारा चौक से अतिक्रमण हटाया गया। एसडीएम अखिल राठौर, तहसीलदार संदीप तिवारी और सीएमओ माधुरी शर्मा के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। राजस्व विभाग और नगर पालिका की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। एसडीएम राठौर ने बताया कि यात्रियों और राहगीरों की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इसी के चलते यह कार्रवाई की गई। अतिक्रमण में रखा सामान जब्त किया गया। स्थाई अतिक्रमण को जेसीबी से तोड़ा गया। प्रशासन ने चूने से लकीर खींचकर दुकानदारों को चेतावनी दी। उन्हें भविष्य में अतिक्रमण न करने की हिदायत दी गई। सीएमओ माधुरी शर्मा ने कहा कि शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। यातायात प्रभारी बृहस्पति साकेत भी अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया।

पुलिस ने मैच में सट्टा लगाने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

छतरपुर। पुलिस द्वारा जुआ सट्टा के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है। खेलने वाले के साथ-साथ संचालन करने वाले एवं एजेंट एवं सुपर एजेंट के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। थाना गढ़ी मलहरा पुलिस को रात्रि भ्रमण के दौरान मैच में सट्टा संबंधी सूचना प्राप्त हुई। पुलिस टीम ने गल्ला मंडी के सामने लुगासी रोड में मैच में ऑनलाइन सट्टा लगा रहे आरोपी चंदन बेलदार पिता मलखान बेलदार निवासी वार्ड क्रमांक 5 कस्बा गढ़ी मलहरा को गिरफ्तार किया, सट्टा में प्रयुक्त मोबाइल फोन कीमत करीब ?10000 जप्त किए गए, साक्ष्य एकत्र किए गए, पब्लिक गैंबलिंग एक्ट की धारा में अपराध दर्ज किया गया। न्यायालय उपस्थित होने हेतु पाबंद किया गया। जुआ एवं सट्टा के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी है। उक्त कार्यवाही में एसडीओपी नौगांव अमित मेश्राम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गढ़ी मलहरा निरीक्षक रीता सिंह, प्रधान आरक्षक प्रदीप तिवारी, आरक्षक दशरथ की भूमिका रही।

रखौदा पहाड़ पर खनन माफिया बेलगाम, माइनिंग इंस्पेक्टर की मौजूदगी में जेसीबी फरार

सतना। जिले के कोटर क्षेत्र स्थित रखौदा पहाड़ खनन माफियाओं का गढ़ बन चुका है यहां अवैध रूप से लेटराइट और बॉक्साइट का खनन जोरों पर है गुरुवार सुबह माइनिंग इंस्पेक्टर आशुतोष मिश्रा मौके पर पहुंचे, जहां कई गाड़ियों में अवैध खनिज लोड पाया गया साथ ही दो जेसीबी भी खनन करती मिली हालांकि कुछ ही देर बाद जेसीबी मशीन रहस्यमयी तरीके से मौके से फरार हो गई और कई ट्रक भी मौके से निकाल लिए गए। चौंकाने वाली बात यह रही कि जनता के सामने केवल दो-तीन ट्रकों को ही दिखाया गया, जबकि दर्जनों ट्रक और जेसीबी को छुपा लिया गया या फरार कर दिया गया मौके पर पकड़े गए अधिकतर ट्रक बिना नंबर प्लेट के थे, जिससे उनकी पहचान मुश्किल हो गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि खनन माफियाओं ने मौके पर पहुंचने से पहले ही 'मैनेजमेंट' कर लिया था, जिसके चलते कार्रवाई प्रभावहीन रही इस पूरे घटनाक्रम ने खनन विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्त्री रोग विशेषज्ञों ने की हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की जाँच

खण्डवा। जिला अस्पताल खंडवा एवं सामुदायिक व शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत बुधवार को स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की जाँच कर उपचार किया गया। ब्लॉक में मातृत्व अभियान की मॉनिटरिंग के लिए जिले से टीम बनाई गई है, जिसमें विकासखण्ड छैगांवमाखन में सी.एम.एच.ओ. डॉ. ओ.पी. जुगतावत द्वारा गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण का निरीक्षण किया गया। उन्होंने ओपीडी कक्ष, दवाई वितरण, जनरल वार्ड, एनबीएसयू, प्रसूता वार्ड का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों से चर्चा कर दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। साथ ही उपस्थित चिकित्सक को निर्देश दिये कि प्रतिदिन वार्ड का राउंड लगाकर उपचार करना सुनिश्चित करें। प्रसव के दौरान कम वजन वाले बच्चों को एनबीएसयू में भर्ती करवायें। उन्होंने कहा कि हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को चिकित्सक द्वारा नि:शुल्क सोनोग्राफी के लिए

खण्डवा भेजकर नि:शुल्क सोनोग्राफी की जा रही है। साथ ही उन्हें आवश्यक दवाईयां भी दी जा रही, ताकि मातृ मृत्यु दर मे कमी लाई जा सके। इसी क्रम में विकासखण्ड खालवा व हरसूद में डी.एच.ओ. डॉ. आर.डी. बकोरिया, विकासखण्ड पंधाना में सी.बी.एम.ओ. डॉ. अनिल तंतवार, पीएचसी रोशनी में डी.एच.ओ. डॉ. रश्मि कौषल, डीपीएचएनओ, श्रीमति अनिता शुक्ला विकासखण्ड पुनासा व जावर में डीपीएम श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी व डीसीएम श्री राहुल जायसवाल द्वारा निरीक्षण किया। डॉ. बकोरिया ने बताया कि इस अभियान के तहत प्रसव पूर्व देखभाल की गुणवत्ता एवं कवरेज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, निदान एवं परामर्श सेवाओं की उपलब्धता की दृष्टि से प्रतिमाह की 9 एवं 25 तारीख को प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान चलाया जा रहा है।

डॉ. बाकोरिया ने हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान जैसे एनीमिया, उच्च रक्तचाप, शुगर, पूर्व सिजेरियन प्रसव, जुड़वा बच्चे, गर्भ में उल्टा बच्चा, पूर्व में गर्भपात, पूर्व में जन्में शिशु में जन्मजात विकृति, कम वर्ष व 35 वर्ष से अधिक उम्र में गर्भधारण होना, अधिक बच्चे होना तथा टीबी, हृदय रोग, मलेरिया, एचआईवी, हैपेटाइटिस बी जैसे रोगों से ग्रसित गर्भवती महिलाएं हाईरिस्क की श्रेणी में आती हैं। गर्भवती महिलाओं की काउंसलिंग कर स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहने, पौष्टिक आहार लेने व संस्थागत प्रसव कराने की समझाइश दी जा रही है।

सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष से सम्मानित हुए अशोक जायसवाल

सतना इंटरनेशनल लायंस क्लब के द्वारा विगत दिवस रीजन कॉन्फ्रेंस का आयोजन माननीय मुख्य अतिथि राजेंद्र प्रसाद शुक्ला उप मुख्यमंत्री जी मध्य प्रदेश सरकार एवं अध्यक्षता अतुल कुमार जैन के रीजन चेयरपर्सन के अतिथि में होटल सयाजी में संपन्न हुआ जिसमे लायंस क्लब सतना के अध्यक्ष लायन अशोक जायसवाल को रीजन में सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष एवं सर्वश्रेष्ठ क्लब का अवार्ड देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर मुख्य रूप से लायंस क्लब सतना से अध्यक्ष लायन अशोक जायसवाल पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सतेंद्र शर्मा डिस्ट्रिक्ट की प्रथम महिला रश्मि जैन विनोद जायसवाल राकेश मिश्रा रमेश मिश्रा मीनाक्षी नेमा नितिन नेमा श्री चंद्र अग्रवाल हेमंत डेनियल एवं अन्य लायंस पदाधिकारी मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)। RNI NO. MPHIN/2022/84698